श्रावण शुक्ल - 11 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 14 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 05-08-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बेदखल किए लोगों को आश्रय नहीं दिया जाना चाहिए : हिमंत

6 जलवायु परिवर्तन से जूझते भारत और अमेरिका

7 पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन रिश्ते में सच्चाई जरूरी : स्वरा भास्कर

फर्स्ट टेक

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने लगाई परिवहन संघों की हड़ताल पर अंतरिम रोक

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य परिवहन संघों द्वारा मंगलवार को प्रस्तावित हड़ताल पर अंतरिम रोक लगा दी और उन्हें मामले की अगली सुनवाई यानी पांच अगस्त तक प्रदर्शन स्थगित करने का निर्देश दिया। अदालत ने उल्लेख किया कि परिवहन संघों के प्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बीच बातचीत चल रही है। अदालत ने कहा, यदि पूरा सार्वजनिक परिवहन ठप हो जाता है, तो आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, सरकार के साथ वार्ता के परिणाम की प्रतीक्षा में कल (पांच अगस्त) तक अंतरिम रोक लगाना उचित होगा। इसलिए प्रतिवादी संख्या सात को अगली सुनवाई की तारीख तक प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने का निर्देश दिया जाता है।

ड्रोन उड़ाने पर पूरे अयोध्या जिले में प्रतिबंध

अयोध्या/लखनऊ (उप्र)/भाषा। ग्रेटर नोएडा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन देखे जाने से मची दहशत के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या जिले में भी ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि अयोध्या में यह प्रतिबंध पिछले कुछ वर्षों से लागू था, लेकिन अब यह प्रतिबंध पूरे जिले में लागू कर दिया गया है। अयोध्या के जिलाधिकारी (डीएम) निखिल टीकाराम फुंडे ने धारा 163 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए पूरे जिले में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में जिंदा मिली दो साल की बच्ची, महिला गिरफ्तार

वेलिंगटन/एपी। न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में दो साल की बच्ची के जिंदा मिलने के बाद एक महिला को बाल उपेक्षा के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस के चालक ने सामान रखने वाले स्थान में रखे एक सूटकेस में बच्ची को पाया था। 'डिटेक्टिव इंस्पेक्टर' साइमन हैरिसन ने एक बयान में कहा कि ऑकलैंड के उत्तर में काईवाका बस्ती में एक बस स्टॉप पर जब एक यात्री ने चालक से उसका सामान निकालने के लिए कहा तो उसने (चालक) बैग के अंदर हलचल देखी। हैरिसन ने बताया कि जब चालक ने सूटकेस खोला तो उसमें दो साल की बच्ची थी और उसका शरीर तप रहा था, हालांकि उसे कोई चोट नहीं पहुंची थी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि बच्ची कितनी देर से सूटकेस में बंद थी।

राष्ट्रीय हितों की रक्षा और आर्थिक सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा भारत

भारत ने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा उसे निशाना बनाए जाने को अनुचित और अविवेकपूर्ण कदम करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत की आलोचना करने वाले वही देश स्वयं रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं।
- भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी।
- उस समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता को मज़बूत करने के लिए भारत द्वारा ऐसे आयातों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा उसे निशाना बनाए जाने को अनुचित और अविवेकपूर्ण कदम करार देते हुए कहा है कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार देर रात एक वक्तव्य जारी कर कहा कि इस मामले में भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से रूस से तेल आयात करने के कारण भारत अमेरिका और यूरोपीय संघ के निशाने पर है।

दरअसल, भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता को मज़बूत करने के लिए भारत द्वारा ऐसे आयातों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।

प्रवक्ता ने कहा कि भारत के आयात का उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करना है।

वैश्विक बाज़ार की स्थिति के कारण यह एक अनिवार्य है।

हालाँकि, यह भी एक तथ्य है कि भारत की आलोचना करने वाले वही देश स्वयं रूस के साथ व्यापार में लिप्त हैं।

हमारे मामले के विपरीत, ऐसा व्यापार कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बाध्यता भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में यूरोपीय संघ का रूस के साथ वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 67.5 अरब यूरो था। इसके अलावा, 2023 में सेवाओं का व्यापार 17.2 अरब यूरो के क़रीब था ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा

रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगेगा ज्यादा शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देते हुए कहा कि वह रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करने जा रहे हैं।

ट्रंप ने भारत पर भारी मात्रा में रूस से तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत रूस से भारी मात्रा में तेल सिर्फ खरीद ही नहीं रहा है, बल्कि उस तेल के बड़े हिस्से को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा भी कमा रहा है। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा, उसे (भारत को) इस बात की कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन में रूस की युद्ध मशीन कितने लोगों की जान ले रही है। इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं।

ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाने के साथ ही रूस से तेल एवं गैस खरीदने पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की थी।

अमेरिका अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए 'नव-उपनिवेशवादी' नीति अपना रहा है : रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मास्को/भाषा। रूस ने सोमवार को अमेरिकी प्रशासन पर वाशिंगटन के प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ देशों के खिलाफ नव-उपनिवेशवादी नीति अपनाने का आरोप लगाया, तथा वास्तविक बहुपक्षीय और समान विश्व व्यवस्था बनाने के लिए इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दर्जनों देशों पर नए शुल्क लगाने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आई है।

प्रतिबंधों को पूरे विश्व को प्रभावित करने वाली आज के ऐतिहासिक दौर की एक अफसोसजनक वास्तविकता बताते हुए जखारोवा ने कहा कि अमेरिका उभरती विश्व व्यवस्था में आधिपत्य की हानि को स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने वाशिंगटन पर आरोप लगाया कि वह अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए नव-उपनिवेशवादी नीति का अनुसरण कर रहा है, तथा अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उसका अनुसरण करने से इनकार करने वालों के विरुद्ध आर्थिक दबाव के राजनीतिक हथकंडे अपना रहा है।

ग्लोबल साउथ में रूस के साझेदारों के खिलाफ ट्रंप की शुल्क नीति पर टिप्पणी करते हुए, जखारोवा ने इसे राष्ट्रों की राष्ट्रीय संप्रभुता पर प्रत्यक्ष अतिक्रमण और उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास कहा। उन्होंने कहा कि रूस का मानना है कि शुल्क युद्ध और प्रतिबंध इतिहास के स्वाभाविक क्रम को प्रभावित नहीं कर सकते।

मालेगांव विस्फोट मामले में

निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर कांग्रेस ने आतंकवादियों को बचाया: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस ने मालेगांव विस्फोट मामले में निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर आतंकवादियों को बचाने का काम किया। योगी आदित्यनाथ ने यहां मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत 2,517 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीन 'इंटीग्रेटेड टाउनशिप' परियोजना के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस की राजनीति सिर्फ जातिवाद, दंगे और माफियाओं की चरणवंदना तक सीमित रही है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने मालेगांव की घटना में निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर राष्ट्रवादी नेतृत्व को बदनाम करने की कोशिश की थी।

योगी ने कहा कि आतंकवाद के प्रति उनकी नरम नीति और समाज को जाति-क्षेत्र के आधार पर बांटने की रणनीति देश के लिए हानिकारक रही है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से इस 'पाप' के लिए देश से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस अपने इस पाप के लिए देश से माफी मांगेगी?

योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार राष्ट्रवाद और विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जो बिना भेदभाव के सबके विकास को सुनिश्चित करती है।

मुख्यमंत्री ने मेरठ में शुरू की गई इस विशाल टाउनशिप परियोजना को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित करते हुए इसे 'अटल शताब्दी' नाम दिया। उनका कहना था कि यह परियोजना रैपिड रेल के निकट होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के नागरिकों के लिए सस्ते और टिकाऊ आवास उपलब्ध कराएगी।

'दो मतदाता पहचान पत्रों' को लेकर

तेजस्वी यादव के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के पक्ष में ''दो मतदाता पहचान पत्र जारी करने'' की जांच की मांग करते हुए पटना के एक थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक दिन पहले ही निर्वाचन आयोग ने यादव से उस मतदाता पहचान पत्र को 'जांच के लिए सौंपने' के लिए कहा था जिसके बारे में उन्होंने (यादव ने) दावा किया था कि यह पहचान पत्र उनके पास है, जबकि इसे ''आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किया गया था।' निर्वाचन आयोग ने कहा कि विपक्षी नेता का मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर नहीं बदला गया था, जैसा कि उन्होंने आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एक स्थानीय व्यक्ति ने इस संबंध में दीघा थाने में शिकायत दर्ज करायी है।

अंतिम सोमवार

श्रावण मास के चौथे और अंतिम सोमवार को लखनऊ, वाराणसी, संभल और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई और ''हर हर महादेव'', ''बम बम भोले'' के जयकारे गूंजते रहे। वाराणसी में, हजारों श्रद्धालु सुबह से ही श्री काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना के लिए कतारों में खड़े दिखे।

	05-08-2025	06-08-2025
सूर्यास्त	6:34 बजे	
सूर्योदय		5:55 बजे

	BSE	NSE
	81,018.72	24,722.75
	(+418.81)	(+157.40)

	सोना	चांदी
	10,345 रु.	127,000 रु.
	(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ज्वलंत प्रश्न

होते हैं डेमोक्रेसी में,
अधिकार सभी के ही समान।
ना जाति वर्ग से होता है,
नीचा-ऊंचा लघु या महान।
वोटों के लालच में फिर क्यों,
इंसानों को देते निशान।
है कौन दलित सचमुच में अब,
इस पर लाओ बिल या विधान।।

ओडिशा-झारखंड सीमा पर

माओवादियों ने किए दो आईईडी विस्फोट, रेलवे पटरियां क्षतिग्रस्त

भुवनेश्वर/भाषा। संदिग्ध माओवादियों ने ओडिशा-झारखंड सीमा स्थित रेलवे पटरियों पर रविवार रात परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) से दो धमाके किए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। ये दोनों विस्फोट झारखंड सीमा के पास अलग-अलग स्थानों पर हुए, जिनसे पटरियों को नुकसान पहुंचा। यह घटना सुंदरगढ़ जिले में ओडिशा-झारखंड सीमा के पास रेलवे पटरियों पर हुए आईईडी विस्फोट में एक रेलवे कर्मचारी के मारे जाने के कुछ घंटे बाद हुई।

मृतक की पहचान एतावा ओराम (37) के रूप में हुई है, जबकि घायल बुधराम मुंडा को राउरकेला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों व्यक्ति घटनास्थल पर पटरियों के रखरखाव के लिए गए थे। यह विस्फोट बिमलागढ़ रेलखंड के अंतर्गत करमपदा और रेंजदा को जोड़ने वाली पटरियों पर हुआ।

सिराज की जादुई गेंदबाजी से भारत ने इंग्लैंड को हराकर श्रृंखला बराबर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। मोहम्मद सिराज की करिश्माई गेंदबाजी की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को बेहद रोमांचक मुकाबले में छह रन से हराकर श्रृंखला बराबर कर ली जिससे हाल के दिनों की सबसे कड़ी और नाटकीय श्रृंखला में से एक का शानदार अंत हुआ।

इंग्लैंड को आखिरी दिन सिर्फ 35 रन चाहिये थे और भारत को लेने थे चार विकेट । कइयों को भरोसा नहीं था कि भारतीय टीम इस मुकाम से मैच जीत लेगी लेकिन सिराज कुछ और सोचकर आये थे और उन्होंने वह कर दिखाया जो क्रिकेटप्रेमी बरसों तक याद रखेंगे ।

आखिरी दिन गिरे चार में से तीन विकेट चटकाकर सिराज ने मैच में 30 . 1 ओवर में 104 रन देकर पांच विकेट लिये ।

दूसरे छोर पर प्रसिद्ध कृष्णा (126 रन पर चार विकेट) ने भी उनका साथ बखूबी निभाया और अंततः इंग्लैंड की टीम 374 रन के लक्ष्य से दूर रह गई और भारत ने पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी।

चौथे दिन थोड़ी देर की बारिश के बाद समय से पहले दिन का खेल खत्म करने के फैसले पर स्टुअर्ट ब्रॉड और माइकल वॉन जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने सवाल उठाए थे लेकिन यह उचित ही लगा कि बेहद कड़ी श्रृंखला का निर्णायक मैच भी बाकी चार मुकाबलों की तरह आखिरी दिन तक चला।

सेना के खिलाफ टिप्पणी पर न्यायालय ने

राहुल गांधी को फटकारा

उच्चतम न्यायालय ने कार्यवाही पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उनकी आलोचना करते हुए कहा, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।'' हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा, ''आप विपक्ष के नेता हैं। आप संसद में बातें क्यों नहीं कहते हैं, आप सोशल मीडिया पर क्यों कहते हैं?'' पीठ ने पूछा, ''आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?''

पीठ ने पूछा, ''बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।''

गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। उन्होंने दलील देते हुए कहा, ''अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते।''

पीठ की ''सच्चे भारतीय'' टिप्पणी पर सिंघवी ने कहा, ''यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।''

स्वरूप चोपड़ा बने तेयुप हनुमंतनगर के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन अध्यक्ष कमलेश झाबक की अध्यक्षता में हुई। झाबक ने सभी का स्वागत किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन परामर्शक महावीर चावत ने किया। आय व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष धवल बोल्या ने दिया। वर्ष भर हुए कार्यो के लिए चयनीत कार्यकर्ताओं को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। चुनाव प्रणाली पूर्ण कर चुनाव अधिकारी हेमराज मांडोत व सह चुनाव अधिकारी राजेश मारू ने स्वरूप चोपड़ा को सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष घोषित किया। संचालन मंत्री संदीप चौधरी ने किया। सभा के अध्यक्ष गौतम दक और महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड़ व अभातेयुप से शाखा प्रभारी विनोद मुथा, अमित दक, रोहित कोठारी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ दी।

हरलूर में नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर का खाद मुहूर्त व भूमिपूजन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी के आशीर्वाद और गौतम लब्धि निधान जैन संघ, बेंगलूरु पूर्व के तत्वावधान में सरजापुर रोड के पास हरलूर में नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन नूतन जिनालय का खाद मुहूर्त और भूमिपूजन किया गया। विधिकारक विक्रम गुरु द्वारा विधि विधान करवाया। इस कार्यक्रम में बेलंदूर, ओआरआर, सरजापुर, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, व्हाइटफील्ड के विभिन्न जैन संस्थानों और ट्रस्टों के सदस्य व युवा उपस्थित थे। संघ के यतीन्द्र जैन ने बताया कि संघ द्वारा 14 अगस्त को शिलान्यास समारोह का आयोजन किया जाएगा।

विपक्षी दल को भारत नहीं, पसंद हैं राष्ट्रविरोधी ताकतें : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और आरोप लगाया कि विपक्षी दल राष्ट्र विरोधी ताकतों से प्यार करते हैं लेकिन भारत से नहीं।

गुप्ता ने यह टिप्पणी दिल्ली विधानसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' पर बहस के दौरान की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को करारा जवाब था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ''हमारी बहनों'' की गरिमा की रक्षा करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''ये लोग (विपक्ष) भारत से प्यार नहीं करते, बल्कि वे राष्ट्र-विरोधी ताकतों से प्यार करते हैं क्योंकि वे उनमें अपना प्रतिबिंब देखते हैं।''

उन्होंने कहा, ''विपक्षी दल 'इंडि' गठबंधन बनाने के लिए एकजुट हुए। नाम तो 'इंडिया' है, लेकिन अगर आप उनकी बात सुनें तो ऐसा लगेगा कि वे पाकिस्तान के प्रवक्ता हैं...यहां तक कि लोकसभा में भी कई सांसदों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाए।

उन्हें अपनी सेना और अपने प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं है, बल्कि उन्हें दूसरे देशों पर भरोसा है।''

गुप्ता ने विभाजन के मुद्दे पर भी कांग्रेस पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा, ''1947 में आपकी पार्टी (कांग्रेस) सत्ता में थी। आपने भारत की आज़ादी का श्रेय तो लिया, लेकिन विभाजन का नहीं। आपने 1962 के भारत-चीन युद्ध की ज़िम्मेदारी क्यों नहीं ली?''

मायुमं बेंगलूरु के पांच जरूरतमंद महिलाओं को भेंट की सिलाई मशीन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के मारवाड़ी युवा संघ के सदस्यों ने मुक्ता फाउंडेशन के सहयोग से बीटीएम लेआउट स्थित कार्यालय में पांच जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन वितरित की गई। प्रोजेक्ट के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, कार्यक्रम के संयोजक विनोद गर्ग, अशोक अग्रवाल ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, मायुमं मे अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल एवं गौरव शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सचिव सनी जैन ने धन्यवाद दिया।

मंजूनाथनगर में एक्यूप्रेशर, सुजोक व वाइब्रेशन चिकित्सा शिविर सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मंजूनाथनगर क्षेत्र के सकल जैन संघ के तत्वावधान में छह दिवसीय एक्यूप्रेशर, सुजोक एवं वाइब्रेशन चिकित्सा शिविर जैन भवन में सम्पन्न हुआ। संघवी उत्तमचंद पुष्पादेवी आच्छा परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर के मुख्य थेरापिस्ट रूपाराम चौधरी, मनोहर सिंह एवं जितेन्द्र का सम्मान किया।

कार्यक्रम में संघ के उपाध्यक्ष विनोद कुमार मेड़तवाल, मंत्री राकेश दलाल, सहमंत्री सुरेश बाघमार, राजेश कोठारी, चेतन झारमुथा, रानित कोठारी, राजमल बोहरा, दिनेश छाजेड,अंकित आच्छा आदि उपस्थित थे।

मोहन यादव ने राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं पर 'प्रहार' करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं पर 'प्रहार' करने का आरोप लगाया और साथ ही उन्हें संविधान के दायरे में रहकर विपक्ष की भूमिका निभाने की नसीहत भी दी।

यादव ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से चर्चा में यह दावा भी किया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जब नेता प्रतिपक्ष थे तो उन्होंने इस पद की गरिमा को ऊंचा किया था, जबकि राहुल गांधी पद की गरिमा को घटा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी लोकतंत्र के सबसे मजबूत आधार स्तंभों- न्यायालय, निर्वाचन आयोग और सेना पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय से कई बार फटकार मिलने और माफी मांगने के बाद भी वह अदालतों पर भरोसा नहीं जताते।'' मुख्यमंत्री, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई आलोचना से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे। अदालत ने राहुल गांधी से कहा, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।''

प्रमुख चावल आयातक देश के प्रतिबंध हटाने से भारतीय निर्यात को मिलेगा बढ़ावा : आईआरईएफ

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ ने सोमवार को कहा कि एक प्रमुख चावल आयातक देश के प्रतिबंध हटाने से अनाज के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार ने चावल के आयात पर चार महीने से लगा प्रतिबंध हटाने का फैसला किया है। गर्ग ने कहा, ''यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बाजार भारतीय चावल का एक प्रमुख आयातक है, जिसका वार्षिक आयात 1,000,000 टन से अधिक है, और प्रतिबंध हटने से हमारे निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।''

मायुमं सेंट्रल की कांवड़ यात्रा एवं रुद्राभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मारवाड़ी युवा मंच सेन्ट्रल के सदस्यों ने श्रावण मास के अवसर पर शनिवार को कांवड़ यात्रा एवं सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया जिसमें 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 90 से अधिक श्रद्धालुओं ने कांवड़ उठाई तो 44 लोगों ने रुद्राभिषेक किया। सेंट्रल के अध्यक्ष गौतम ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के तत्वावधान में संचालित 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी वाहन में से एक वर्ष के लिए मोक्षवाहिनी वाहन के रखरखाव के लिए महेश हार्डवेयर के अशोककुमार महेन्द्रकुमार रांका परिवार ने लाभ लिया। संघ के अध्यक्ष अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, अनिल संकलेचा, जिनेश मेहता, भोपाल सोनवाड़िया ने रांका बंधुओं का सम्मान किया।

पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित किया जाए: पनुन कश्मीर

जम्मू/भाषा। विस्थापित कश्मीरी पंडितों के हितों की वकालत करने वाले संगठन पनुन कश्मीर ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आतंकवाद के नरसंहार करने के उद्देश्यों की पहचान और पाकिस्तान को आतंकवादी राज्य घोषित करने से बचने का आरोप लगाया। उसने कहा कि इससे निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर में भविष्य के सुरक्षा अभियान खतरे में पड़ जाएंगे।

संगठन ने भारत सरकार से अपील की कि वह इस बात को स्वीकार करे कि नरसंहार करने वाला युद्ध अब भी जारी है और शेष भारत में फैल रहा है। पनुन कश्मीर के अध्यक्ष डॉ. अजय चरुंगू ने यहां संवाददाताओं से कहा, भारत सरकार ने एक बार फिर जिहादी आतंकवाद के नरसंहार करने उद्देश्यों की पहचान और पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र के रूप में मान्यता देने से परहेज किया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और निश्चित रूप से भविष्य के सुरक्षा अभियानों को खतरे में डालेगा, यहां तक कि उन अभियानों पर भी जो भारत सरकार द्वारा घोषित 'न्यू नॉर्मल' पर आधारित हैं।

नीति आयोग ने ईवी के लिए स्पष्ट लक्ष्य, समयसीमा केंद्रित नीति की सिफारिश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग ने देश में इलेक्ट्रिक परिवहन को तेज रफ्तार देने के लिए सोमवार को स्पष्ट लक्ष्यों और समय-सीमाओं के साथ एक राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति बनाने की अनुशंसा की। नीति आयोग ने ईवी प्रोत्साहन पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट में इलेक्ट्रिक वाहन से संबंधित चरणबद्ध मानकों के साथ एक नियामकीय ढांचा खड़ा करने और शून्य-उत्सर्जन वाले वाहनों को अपनाने के लिए स्पष्ट नीतिगत दिशानिर्देशों की भी जरूरत पर बल दिया है। रिपोर्ट में सार्वजनिक बजट और बहुपक्षीय विकास बैंकों से मिलने वाले अंशदानों की मदद से एक संयुक्त कोष बनाने का सुझाव दिया गया है, जिससे ई-बसों और ई-ट्रकों की खरीद के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा सके। नीति आयोग ने परिसंपत्ति खरीद के बजाय सेवा-आधारित मॉडल को प्राथमिकता देने, शोध एवं विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के रणनीतिक विस्तार की भी जरूरत बताई है।

इसके अलावा ईवी में इस्तेमाल होने वाली बैटरी की लागत घटाने, ऊर्जा घनत्व बढ़ाने और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने पर भी जोर दिया गया है। नीति आयोग ने रिपोर्ट में कहा है, बैटरी चार्जिंग ढांचे के रणनीतिक प्रोत्साहन और सार्वजनिक जागरूकता एवं सूचना प्रणाली को बढ़ाने से ईवी को अपनाने में तेजी आएगी।

भारत ने वर्ष 2030 तक कुल वाहन बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30 प्रतिशत पर ले जाने का लक्ष्य रखा हुआ है। 2016 में देश में सिर्फ 50,000 ईवी की बिक्री हुई थी जो बढ़कर 2024 में 20.8 लाख तक पहुंच गई। हालांकि यह अभी भी वैश्विक रुझानों की तुलना में पीछे है।

कालेश्वरम परियोजना पर न्यायिक आयोग ने केसीआर को 'अनियमितताओं' के लिए जिम्मेदार पाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कालेश्वरम परियोजना की जांच कर रहे न्यायिक आयोग ने पाया है कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के शासनकाल में निर्मित इस परियोजना में कथित अनियमितताओं के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जिम्मेदार हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

राज्य के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान न्यायिक आयोग की रिपोर्ट के सारांश पर एक 'पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन' दिया। उन्होंने बताया कि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि राव परियोजना में इसकी योजना और निर्माण से लेकर परियोजना का हिस्सा रहे बैराजों के संचालन और रखरखाव तक अनियमितताओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थे। सूत्रों ने बताया कि आयोग ने केसीआर के भतीजे और पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव पर भी उंगली उठाई है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव लोगों के बीच केसीआर के नाम से लोकप्रिय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेषज्ञों की एक समिति ने कालेश्वरम परियोजना को आगे न बढ़ाने की सलाह दी थी, लेकिन बीआरएस सरकार ने जानबूझकर रिपोर्ट को दबा दिया। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने रिपोर्ट का 60 पृष्ठों का सारांश तैयार किया है। पूरी रिपोर्ट 665 पृष्ठों की है। सारांश में केसीआर का नाम 32 बार, हरीश राव का 19 बार और पूर्व मंत्री एटाला राजेंद्र का नाम पांच बार आया है। राजेंद्र अब भाजपा के लोकसभा सदस्य हैं। सूत्रों ने दावा किया कि रिपोर्ट में बीआरएस शासन के दौरान वित्त मंत्री रहे राजेंद्र का रवैया लापरवाही भरा पाया गया है।

महाराष्ट्र में मराठी बनाम गैर-मराठी तनाव नहीं: फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है तथा दोनों में किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है।

फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे को भाषा से जुड़े भावनात्मक मुद्दे में न पड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य में भाषा को लेकर विवाद राजनीतिक कारणों से पैदा किया जा रहा है।

महाराष्ट्र में भाषा के मुद्दे पर दुबे की ओर से पिछले महीने की गई विवादास्पद टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने अपने पार्टी सहयोगी को सावधानी बरतने की सलाह दी। झारखंड से सांसद दुबे को 'मराठी बनाम गैर-मराठी' मुद्दे में नहीं पड़ना चाहिए, जिसे राजनीतिक कारणों से खड़ा किया जा रहा है।

फडणवीस ने कहा, हम इससे निपटने में सक्षम हैं। यहां मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई तनाव नहीं है। दोनों में से किसी के भी साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी भाषी उन नेताओं को सबक सिखाएंगे, जो उन्हें बांटने की कोशिश कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा कि कम आय वर्ग की महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लाडकी बहीण योजना' के तहत धोखाधड़ी से लाभ लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

वनतारा ने कोल्हापुर से जामनगर में हथिनी को स्थानांतरित करने की पहल नहीं की : एनजीओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वनतारा ने महादेवी नामक हथिनी को कोल्हापुर के मठ से जामनगर स्थित अपने केंद्र में स्थानांतरित करने की पहल या अनुरोध नहीं किया, बल्कि केवल अदालत द्वारा नियुक्त प्राप्तकर्ता केंद्र के रूप में कार्य किया। गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी।

तीन दशकों से महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के नंदनी में एक जैन मठ में रही महादेवी को इस सप्ताह की शुरुआत में एक अदालती फैसले के बाद गुजरात के जामनगर में वनतारा के वन्यजीव पुनर्वास केंद्र में राधे कृष्ण मंदिर हाथी कल्याण न्यास (आरकेटीईडब्ल्यूटी) में स्थानांतरित कर दिया गया।

बयान में कहा गया, वनतारा इस प्रक्रिया का प्रारंभिक पक्षकार नहीं था, और पूरी प्रक्रिया न्यायिक एवं वैधानिक निगरानी में, संबंधित प्राधिकरणों के समन्वय से की गई है। संगठन ने कोल्हापुर में महादेवी के गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व को स्वीकार किया, लेकिन उसने केवल न्यायालय द्वारा नियुक्त प्राप्तकर्ता संस्था के रूप में कार्य किया।

इसमें कहा गया, स्थानांतरण के कारणों का पूरा विवरण न्यायिक आदेशों में दर्ज है, जो स्वयं ही उसके पक्ष में बोलते हैं।

बंबई उच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को महादेवी को जामनगर में वनतारा के सुविधा केंद्र में पुनर्वासित करने का आदेश दिया था। यह आदेश एक गैर सरकारी संगठन द्वारा महाराष्ट्र वन विभाग और उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के समक्ष उसके बिगड़ते स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक पीड़ा पर चिंता जताए जाने के बाद दिया गया था।

बयान में कहा गया कि उच्चतम न्यायालय ने 25 जुलाई को उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। यह मामला अब 11 अगस्त, 2025 को अनुपालन रिपोर्ट के लिए सूचीबद्ध है।

भारत बना दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार: आईएटीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा विमानन बाजार बनकर उभरा है। वहीं, मुंबई-दिल्ली मार्ग दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई मार्गों की सूची में सातवें स्थान पर रहा। विमानन कंपनियों के समूह आईएटीए ने एक रिपोर्ट में यह कहा।

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) ने सोमवार को वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट स्टैटिस्टिक्स (डब्ल्यूएटीए) 2024 का नवीनतम संस्करण जारी किया। आईएटीए लगभग 350 विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2023 की तुलना में 2024 में 11.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और कुल 21.1 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की। यह आंकड़ा जापान से अधिक है, जहां 2024 में 20.5 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की। हालांकि जापान में सालाना वृद्धि दर 18.6 प्रतिशत रही।

आईएटीए की रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिका दुनिया का सबसे

बड़ा विमानन बाजार बना हुआ है, जहां 87.6 करोड़ यात्रियों ने 2024 में हवाई यात्रा की। वहीं इस सूची में दूसरे स्थान पर चीन रहा जहां समान अवधि में 74.1 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की और 2023 की तुलना में 18.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आईएटीए द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत जहां पांचवें स्थान पर रहा, वहीं ब्रिटेन (26.1 करोड़ यात्री) तीसरे और स्पेन चौथे स्थान (24.1 करोड़ यात्री) पर रहा। आईएटीए के अनुसार शीर्ष 10 हवाई मार्गों में मुंबई-दिल्ली मार्ग वर्ष 2024 में सातवें स्थान पर रहा, जहां कुल 59 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की। आईएटीए के अनुसार, दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई मार्गों की सूची में एशिया-प्रशांत क्षेत्र का दबदबा रहा। वर्ष 2024 में दक्षिण कोरिया का जेजू-सियोल मार्ग दुनिया का सबसे लोकप्रिय हवाई मार्ग रहा, जहां 1.32 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की।

'तमिलनाडु राइजिंग' निवेश सम्मेलन में स्टालिन ने कहा

आर्थिक वृद्धि के जरिए तमिलनाडु की काया बदली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थूथुकुडी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन की दिशा में व्यवस्थित रूप से काम कर रही है ताकि आर्थिक प्रगति के माध्यम से राज्य में बदलाव लाया जा सके। उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा उठाए गए अनेक कदमों से यह सुनिश्चित हुआ है कि राज्य के औद्योगिक रूप से पिछड़े दक्षिणी जिले सुसज्जित हो सकें और राज्य के अन्य भागों में औद्योगिक विकास के साथ तालमेल बैठा सकें।

मुख्यमंत्री ने यहां 'तमिलनाडु राइजिंग' निवेशक सम्मेलन में कहा, ''हम सेमीकंडक्टर विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण, सौर सेल, हरित हाइड्रोजन उत्पादन और सूचना डेटा केंद्र जैसे सभी क्षेत्रों में प्रगति पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।'' स्टालिन ने कहा कि उच्च वेतन वाली नौकरियां प्रदान करने वाले इन क्षेत्रों के माध्यम से तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि और उत्पादन माहौल में बदलाव सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''अविकसित जिलों में बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करने वाले कारखाने स्थापित करके, उस क्षेत्र के लोगों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्ष में सरकार के अथक प्रयासों से 10.30 लाख रुपये के निवेश और 32.945 लाख रोजगार क्षमता वाली 898 परियोजनाएं आकर्षित करने में मदद मिली है। राज्य सरकार के अनुसार, तमिलनाडु में 32,553.85 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 41 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस मौके पर राज्य के मंत्री के. के. एस. आर. रामचंद्रन, गीता जीवन, डी. एम. अनबरसन, अनिता राधाकृष्णन और थूथुकुडी की सांसद कनिमोई, मुख्य सचिव एन मुरुगानंदम, अतिरिक्त मुख्य सचिव अतुल आनंद समेत अन्य मौजूद थे।

दिल्ली पुलिस का बांग्ला को 'बांग्लादेशी भाषा' बताना 'अपमान' है : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा बांग्ला को कथित रूप से बांग्लादेशी भाषा के रूप में वर्णित करना उसका सीधा ''अपमान'' है, जो एक संकीर्ण मानसिकता को उजागर करता है और उन्होंने इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन किया। स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन दिल्ली पुलिस ने बांग्ला को 'बांग्लादेशी भाषा' बताया है। यह उस भाषा का सीधा अपमान है जिसमें हमारा राष्ट्रगान लिखा गया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''ऐसे बयान अनजाने में की गई गलतियां या चूक नहीं हैं। ये उस शासन की संकीर्ण मानसिकता को उजागर करते हैं जो लगातार विविधता को कमज़ोर करता है और पहचान को हथियार बनाता है।'' तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा, ''गैर-हिंदी भाषाओं पर इस हमले के सामने माननीय ममता दीदी पश्चिम बंगाल की भाषा और लोगों की ढाल बनकर खड़ी हैं। वह इस हमले को उचित जवाब दिए बिना नहीं जाने देंगी।'' प. बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने तीन अगस्त को एक कथित पत्र में बांग्ला को बांग्लादेशी राष्ट्रीय भाषा के रूप में संदर्भित करने के लिए दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह अपमानजनक, राष्ट्र-विरोधी और ''असंवैधानिक'' है।

तमिलनाडु में 32,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के लिए 41 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतीकोरिन। तमिलनाडु में 32,553.85 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 41 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। 'तमिलनाडु राइजिंग' निवेशक सम्मेलन में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और राज्य के उद्योग मंत्री टी. आर. बी राजा की उपस्थिति में इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों से 49,845 रोजगार सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा 1,230 करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इनका लक्ष्य 3,100 नए रोजगार सृजित करना है। इस बीच, वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख कंपनी विनफास्ट ने थूथुकुडी के एसआईपीसीओटी औद्योगिक पार्क में अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) 'असेंबली' संयंत्र का सोमवार को आधिकारिक उद्घाटन किया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने विनफास्ट एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फाम सान चाऊ की उपस्थिति में संयंत्र का उद्घाटन किया।

स्टालिन ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त किया और उन्हें सामाजिक न्याय के लिए आजीवन प्रतिबद्ध योद्धा बताया। स्टालिन ने कहा कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्र भारत के सबसे प्रभावशाली आदिवासी नेताओं में से एक सोरेन के निधन से बहुत दुखी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, थिरु शिबू सोरेन का जीवन शोषण के खिलाफ अथक प्रतिरोध और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से परिभाषित था। झारखंड राज्य आंदोलन के प्रमुख वास्तुकारों में से एक के रूप में, उन्होंने दशकों से चले आ रहे आदिवासी संघर्ष को एक राजनीतिक ताकत में बदल दिया, जिससे एक नये राज्य का जन्म हुआ। उन्होंने कहा, ''माननीय थिरु हेमंत सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और झारखंड के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं, जो एक महान नेता और आजीवन योद्धा के निधन पर शोक मना रहे हैं।''

तमिलनाडु डाक सर्कल छात्रों के लिए डाक टिकट प्रतियोगिता

चेन्नई। डाक विभाग ने 3 नवम्बर 2017 को दीन दयाल स्पर्श योजना (शौक के रूप में डाक टिकटों में अभिरुचि एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु छात्रवृत्ति) नामक एक डाक टिकट संग्रह छात्रवृत्ति योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य कम उम्र के बच्चों में डाक टिकट संग्रह को स्थायी रूप से बढ़ावा देना है। यह योजना आठ वर्षों से सफलतापूर्वक क्रियान्वित की जा रही है। इस चालू वर्ष के लिए छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

कक्षा 6 से 9 तक के अच्छे शैक्षणिक रिकॉर्ड वाले और डाक टिकट संग्रह को शौक के रूप में अपनाने वाले छात्रों को तमिलनाडु डाक मंडल द्वारा आयोजित डाक टिकट प्रश्नोत्तरी और डाक टिकट संग्रह परियोजना के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। प्रति पुरस्कार विजेता छात्रवृत्ति की राशि □6000/- (मात्र छह हज़ार रुपये) प्रति वर्ष है। 20 सितम्बर को डाक प्राधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में क्षेत्रीय स्तर पर डाक टिकट संग्रह प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। क्षेत्रीय स्तर की लिखित प्रश्नोत्तरी में चयनित विद्यार्थियों को अंतिम चयन हेतु एक डाक टिकट संग्रह परियोजना प्रस्तुत करनी होगी। (डाक टिकट संग्रह परियोजना 4-5 पृष्ठों से अधिक की नहीं होनी चाहिए। परियोजना में विद्यार्थी अधिकतम 16 डाक टिकटों और 500 शब्दों से अधिक का उपयोग नहीं कर सकते। चयनित अभ्यर्थियों को विस्तृत दिशानिर्देश और नमूना परियोजना टेम्पलेट अलग से जारी किए जाएँगे।) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25.08.2025 है। www.tamilnadupost.cept.gov.in आवेदन पत्र यहाँ से डाउनलोड किया जा सकता है। भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल के कक्षा 6 से 9 तक के सभी छात्र इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया श्री के. बालू महेंद्रन, फिलैटली प्रमोशन एक्जीक्यूटिव (मोबाइल 9841488667) से संपर्क करें।

शान और स्टाइल का जश्न 'हाई लाइफ प्रदर्शनी' आज से शुरू

चेन्नई। यहां अन्ना सलाई स्थित हयात रीजेंसी में मंगलवार से हाई लाइफ प्रदर्शनी का भव्य आयोजन होगा। आयोजकों ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को होने वाली यह प्रदर्शनी फैशन, स्टाइल, डेकोर और लक्जरी पसंद करने वालों के लिए अनोखा अनुभव लेकर आएगी। इस प्रदर्शनी में 150 से ज्यादा मशहूर डिजाइनर अपने कलेक्शन पेश करेंगे, जो शान और स्टाइल के पर्याय होंगे। प्रदर्शनी में डिजाइनर साड़ियां, लहंगे, ज्वैलरी और होम डेकोर जैसे आकर्षक प्रॉडक्ट्स की अद्भुत रेंज देखने को मिलेगी। सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाले इस आयोजन में वैलेट पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी। हाई लाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर फैशन प्रेमियों के लिए ट्रेंड्स और क्रिएटिविटी का मंच बनेगी। आयोजकों ने बताया कि फैशन हर मौसम के साथ बदलता है, लेकिन इसका आकर्षण हमेशा बरकरार रहता है। हाई लाइफ प्रदर्शनी हर बार नए स्टाइल और ताज़गी भरे माहौल के साथ लोगों के दिलों पर छा जाती है।

द्रमुक के ओटीपी सत्यापन संबंधी अदालत के आदेश पर रोक लगाने से उच्चतम न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्यता अभियान 'ओरानियिल तमिलनाडु' के लिए ओटीपी सत्यापन संदेशों के इस्तेमाल पर मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर की पीठ ने द्रमुक की अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मामला संवेदनशील है। पीठ ने कहा कि पूरी प्रक्रिया संदिग्ध है। पीठ ने कहा, ''अदालत को नागरिकों की रक्षा करनी है। आप फिर से उच्च न्यायालय जाएं। हम इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। इसे खारिज किया जाता है।''

द्रमुक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन ने दलील दी कि 'पार्टी आधार' विवरण एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने दलील दी कि उच्च न्यायालय ने गलत आदेश पारित किया है क्योंकि इस मामले में किसी निर्देश का अनुरोध नहीं किया गया था। पार्टी की ओर से पेश विल्सन ने कहा, ''मेरा (पार्टी का) पूरा कार्यक्रम ठप हो गया है। 1.7 करोड़ सदस्य आए हैं और विषयगत प्रस्ताव दिए गए हैं। मैं वही कर रहा हूं जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसी अन्य पार्टियां कर रही हैं। मैं आधार' विवरण एकत्र नहीं कर रहा हूं।'' उच्च न्यायालय ने 21 जुलाई को द्रमुक को अपने नामांकन अभियान के लिए ओटीपी सत्यापन संदेशों का उपयोग करने से रोकते हुए एक निर्देश जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह मामला डाटा सुरक्षा और गोपनीयता के पहलुओं से जुड़ा है जिसकी अदालत द्वारा जांच की जानी है। उच्च न्यायालय ने कहा कि चूंकि लोगों से व्यक्तिगत आंकड़ा एकत्र किया जा रहा है, इसलिए जनहित याचिका निजता के अधिकार और डाटा सुरक्षा के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती है।

अदालत ने शिवगंगा जिले के टी. अथिकरई गांव के निवासी एस. राजकुमार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिका में कहा गया है कि द्रमुक कार्यकर्ता और पदाधिकारी ओरानियिल तमिलनाडु' की आड़ में उनके इलाके में लोगों से ८'यक्तिगत और आधार' विवरण एकत्र कर रहे हैं।

चेन्नई में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात करते हुए सांसद कमल हासन। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन भी उपस्थित थे।

अकेले शिक्षा ही निरंकुशता और सनातन की बेड़ियों को तोड़ सकती है : कमल हासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मक्कल निधि मय्यम पार्टी के प्रमुख और अभिनेता कमल हासन ने कहा है कि ''शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार है जो निरंकुशता और सनातन धर्म की बेड़ियों को तोड़ सकती है''।

राज्यसभा सदस्य हासन ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि राष्ट्रीय प्रवेश-सह-पात्रता परीक्षा (नीट) ने बहुत से बच्चों को चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच से वंचित कर दिया है और परीक्षा के इस नियम को बदलने की शक्ति केवल शिक्षा से ही आ सकती है।

कुछ दिन पहले ही राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले हासन प्रसिद्ध तमिल अभिनेता सूर्या के अगारम फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हासन ने कहा कि नीट परीक्षा के खिलाफ इस युद्ध में, अगारम फाउंडेशन भी कुछ नहीं कर सकता और केवल शिक्षा ही बिना किसी अन्य हथियार के राष्ट्र को आकार दे सकती है।

उन्होंने कहा, ''यही एकमात्र ऐसा हथियार है जो निरंकुशता और सनातन (धर्म) की बेड़ियों को तोड़ सकती है।''

कर्नाटक के राज्यपाल ने वेल्लोर के श्री लक्ष्मी नारायणी स्वर्ण मंदिर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को वेल्लोर में स्वर्ण मंदिर का दौरा किया। उन्होंने मंदिर के अंदर विशेष पूजा की और श्री लक्ष्मी नारायणी की प्रार्थना की। राज्यपाल का स्वागत ज़िला अधिकारियों और श्री नारायण पीड़म के पदाधिकारियों ने किया। मंदिर के दर्शन के बाद, महामहिम ने श्री नारायण पीड़म की संस्थापक और पीठाधीश्वर श्री शक्ति अम्मा से आशीर्वाद लिया। मंदिर के दौरे के दौरान श्रीपुरम के निदेशक एवं ट्रस्टी सुरेशबाबू, प्रबंधक संपत, मंदिर के अधिकारीगण और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दक्षिण रेलवे के लिए नए पीसीईई गणेश

चेन्नई। दक्षिण रेलवे में गणेश, आईआरएसईई, ने 1 अगस्त को प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर (पीसीईई) का पदभार ग्रहण किया। पीसीईई का पदभार ग्रहण करने से पहले, गणेश दक्षिण रेलवे के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। भारतीय रेलवे विद्युत इंजीनियरी सेवा (आईआरएसईई) के 1991 बैच के अधिकारी, गणेश को रेलवे के विभिन्न पहलुओं का व्यापक अनुभव है। उन्होंने पूर्वी रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर और दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्य किया है। गणेश को अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ में सात वर्षों तक निदेशक के पद पर रहने का गौरव प्राप्त है। गणेश, सोमेश कुमार का स्थान लेंगे, जिन्हें हाल ही में पदोन्नत कर रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य (ट्रैक्शन) के पद पर नियुक्त किया गया है।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी 75 वर्ष के हुए, नेताओं ने दी जन्मदिन की बधाई

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी सोमवार को 75 वर्ष के हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने रंगासामी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल और एल. मुरुगन, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन और पुडुचेरी विधानसभा के अध्यक्ष आर. सेल्वम उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने मुख्यमंत्री को बधाई दी। पुडुचेरी की सड़कों को बैनरों से सजाया गया था। रंगासामी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'ऑल इंडिया एन आर कांग्रेस' पार्टी के नेताओं ने विभिन्न केंद्रों पर मुफ्त भोजन वितरित किया।

झपटमारों ने द्रमुक सांसद आर. सुधा की सोने की चेन छीनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। दिल्ली के चाणक्यपुरी में कुछ अज्ञात झपटमारों ने सोमवार को सुबह की सैर पर निकली कांग्रेस सांसद आर. सुधा की सोने की चेन कथित तौर पर छीन ली। इस घटना में सुधा मामूली रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। चाणक्यपुरी में कई दूतावास और राज्य सरकारों के आधिकारिक आवास स्थित हैं।

तमिलनाडु के मयिलाडुतुरै से सांसद सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस घटना के बारे में पत्र लिखकर कहा कि इस घटना से वह सदमे में हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यदि कोई महिला भारत की राष्ट्रीय राजधानी के इस उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से नहीं घूम सकती, तो वह और कहां सुरक्षित महसूस कर सकती है? पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब छह बजे चाणक्यपुरी स्थित पोलैंड के दूतावास के पास हुई। संदिग्ध व्यक्ति स्कूटर पर आया और सांसद के पास आकर उसने स्कूटर धीमा कर लिया।

दिल्ली पुलिस ने अधिकारी के हवाले से एक बयान में कहा, ''उसी समय, एक बदमाश ने उनकी चेन छीन ली और मौके से फरार हो गया। कांग्रेस सांसद ने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन वहां मौजूद लोगों में से कोई भी आगे नहीं आया। उस समय तमिलनाडु से एक और सांसद उनके साथ थे।'' दिल्ली पुलिस के आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी) ने स्थिति को देखा और चेन झपटमारी की सूचना दी।

इसके बाद सांसद को पुलिस थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई। अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु भवन से पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को फोन आने के बाद थाना प्रभारी (एसएचओ) ने सांसद से मुलाकात की और औपचारिक शिकायत दर्ज की।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस सांसद सुधा ने अंततः इस मामले को सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष उठाया। उनकी गर्दन पर मामूली चोटें आई हैं। ''

संसद के मौजूदा मानसून सत्र में भाग लेने के लिए आईं सुधा चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु भवन में ठहरी हैं। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने कहा, इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। हम चोट की प्रकृति की पुष्टि के लिए एमएलसी रिपोर्ट का भी इंतजार कर रहे हैं। आरोपियों का पता लगाने और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए पुलिस की कई टीमें तैनात की गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों से भी बात कर रही है और घटना के दौरान इलाके में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जांच कर रही है। तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह को लिखे पत्र में सुधा ने अपनी आपबीती सुनाई।

कांग्रेस सांसद आर. सुधा ने अपने पत्र में कहा, ''मैं नियमित रूप से नयी दिल्ली में संसदीय कार्यवाही और संसदीय समिति की बैठकों जैसे अन्य संवैधानिक कर्तव्यों में भाग लेती हूं। चूंकि मेरे जैसे कुछ माननीय सांसदों के लिए नयी दिल्ली में आधिकारिक आवास अभी तक तैयार नहीं हुआ है, इसलिए मैं पिछले एक साल से तमिलनाडु भवन में रह रही हूं। जब भी मुझे समय मिलता है, मैं सुबह टहलने जाती हूं, यह मेरी आदत है। ''

उन्होंने बताया कि घटना के समय उनके साथ राज्यसभा सदस्य रजती भी थे। सुधा ने बताया कि सोमवार को सुबह करीब 6.15-6.20 बजे के बीच एक व्यक्ति विपरीत दिशा से स्कूटर पर आया और उनकी सोने की चेन छीनकर भाग गया। आरोपी का पूरा चेहरा हेलमेट से ढका हुआ था। उन्होंने कहा, ''जैसे ही उसने मेरे गले से चेन खींची, मेरी गर्दन पर चोट लग गई और मेरा चूड़ीदार भी फट गया। मैं किसी तरह गिरने से बच गई और हम दोनों मदद के लिए चिल्लाने लगे।'' सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री को संबोधित पत्र में कहा, ''महोदय, चाणक्यपुरी जैसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में एक महिला, जो संसद सदस्य हैं, उस पर यह हमला बेहद चौंकाने वाला है। यदि भारत की राष्ट्रीय राजधानी के इस उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र में एक महिला सुरक्षित रूप से नहीं चल सकती है, तो हम और कहां सुरक्षित महसूस कर सकते हैं?''

उन्होंने शाह से कहा, ''...इस आपराधिक हमले से मैं बेहद आहत हूं। इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दें कि इस 'उच्च सुरक्षा' वाले क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अपराधी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया जाए। कृपया मेरी सोने की चेन वापस दिलाएं और मुझे शीघ्र न्याय दिलाएं।'' इस बीच, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुंथगई ने सोमवार को दिल्ली में अपनी पार्टी की लोकसभा सदस्य आर सुधा की सोने की चेन छीने जाने की घटना पर दुख व्यक्त किया और अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सेल्वापेरुंथगई ने कहा कि यह घटना राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर एक सवालिया निशान है और उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में हुई इस घटना की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

तमिलनाडु की योजनाओं के नामकरण को लेकर याचिका दायर, सुनवाई 7 अगस्त तक स्थगित

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय में दलील दी है कि राज्य की योजनाओं के नामकरण से संबंधित आदेश, यदि तुरंत लागू किया जाता है, तो पूरी योजना पर रोक लग सकती है। सरकार ने यह दलील मद्रास उच्च न्यायालय के एक पूर्व आदेश को संशोधित करने के अनुरोध वाली याचिका में दी है ताकि तमिलनाडु सरकार की 'उंगालादुन स्टालिन' और 'नालम काकुम स्टालिन' योजनाओं को उनके वर्तमान नामकरण के साथ लागू करने की अनुमति मिल सके। उच्च न्यायालय के निर्देश में संशोधन की मांग वाली इस याचिका पर सुनवाई 7 अगस्त के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्य न्यायाधीश एम. एम. श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की प्रथम पीठ ने 31 जुलाई, 2025 को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को शुरू और संचालित करते समय, किसी भी जीवित व्यक्ति का नाम, किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री/वैचारिक नेता की तस्वीर या द्रमुक का पार्टी चिन्ह/प्रतीक/झंडा शामिल नहीं किया जाएगा।

पत्रकारिता, जनसंचार विश्वविद्यालय में छात्रावास सहित सभी सुविधाओं के लिए प्रयासरत : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उप-मुख्यमंत्री और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा है कि हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (एचजेयू) में छात्रावास सहित सभी सुविधायें मुहैया कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। बैरवा सोमवार को एचजेयू के दहमीकलां (बगरू) स्थित स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने के बाद पहली बार विश्वविद्यालय के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने एचजेयू के स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने पर खुशी जताते हुए कहा कि मीडिया के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए स्टूडियो, कम्प्यूटर लैब आदि की सुविधायें अब ज्यादा बेहतर तरीके से मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को यातायात की सुविधा मुहैया करवाने के प्रयास हो रहे हैं और जल्द ही विश्वविद्यालय को सार्वजनिक परिवहन से जोड़ा जाएगा।

विश्वविद्यालय में छात्रावास निर्माण भी करवाया जाएगा, ताकि राज्य के दूसरे क्षेत्रों और अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों को असुविधा न हो। बैरवा ने विश्विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के पूर्ण रूप से लागू होने और शिक्षकों की पदोन्नति का कार्य पूर्ण करने के लिए कुलगुरु प्रो. सुधि राजीव की प्रशंसा की। इससे पहले कुलगुरु प्रो. सुधि राजीव ने गत तीन वर्ष की विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका ने कहा कि देश को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने में मानव संसाधन की अहम भूमिका है, और विश्वविद्यालय युवाओं को इसके लिए तैयार करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी जोशी ने किया और कुल सचिव बी.एल. मेहरड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक डॉ. सत्येंद्र बसवाल, अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत, पत्रकारिता संकाय के डीन डॉ. अनिल मिश्र, जनसंचार संकाय की डीन डॉ. ऋचा यादव, शोध केंद्र के प्रमुख डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रोक्टर गरिमा और विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारी-अधिकारी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अतिवृष्टि और जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिलों में जलभराव व अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सवाई माधोपुर जिले के चकचैनपुरा, करौली जिले के मण्डरायल एवं धौलपुर जिले के बिश्नोदा में प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा संबंधित अधिकारियों को आपदा राहत कार्य मुस्तैदी से किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सवाई माधोपुर जिले के भारी बारिश से प्रभावित गांवों चकेरी, जडावता, अजनोटी, मेनपुरा, धनोली, सूरवाल एवं खण्डार की क्षतिग्रस्त बोदल पुलिया, करौली जिले के अतिवृष्टि प्रभावित गांवों कसेड़, केमकछ, टोड़ी, मल्हापुरां, रांचौली, रहुघाट, मण्डरायल और धौलपुर जिले के राजाखेड़ा उपखंड के अतिवृष्टि प्रभावित गांवों कठूमरा, महमदपुरा, बक्सपुरा, चीलपुरा, चाडियान का पुरा, गढ़ी जाफर, बसई घीयाराम, अंधियारी के साथ ही निभी का ताल व उर्मिला सागर बांध (बाड़ी) का हवाई सर्वेक्षण कर अतिवृष्टि से हुए जलभराव और नुकसान का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश एवं जलभराव से प्रभावित लोगों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष असामान्य और अत्यधिक वर्षा के कारण बने हालात पर राज्य सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। जिला कलेक्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से नियमित रूप से बैठक कर फीडबैक लिया जा रहा है।

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल और सड़कों की मरम्मत के कार्य प्राथमिकता से पूरे करवाए जाएं। फसल खराबे की भरपाई हेतु गिरदावरी की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तत्परता बरतते हुए बुनियादी सुविधाओं जैसे बिजली, सड़क एवं संचार व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बारिश और बाढ़ से हर साल होने वाली समस्याओं के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में भी कार्य कर रही है। जल निकासी, नालों की सफाई और बाढ़ रोकथाम हेतु बुनियादी ढांचा सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंबल नदी के किनारे बसे जिन गांवों में अतिवृष्टि होने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है, वहां स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के अतिवृष्टि एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में सिविल डिफेंस एवं आपदा राहत बलों की टीमें निरंतर कार्य कर रही हैं। धौलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एवं राहत बचाव कार्य हेतु एसडीआरएफ की 2 टीमें राजाखेडा एवं 1-1 टीम धौलपुर व सरमथुरा उपखण्ड क्षेत्रों में तैनात की गई हैं।

एनडीआरएफ की एक टीम धौलपुर मुख्यालय पर तैनात है। सेना का एक दल भी राहत और बचाव कार्यों के लिए धौलपुर बुलाया जा चुका है। इन क्षेत्रों के प्रभावित गांवों में से 2700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सवाई माधोपुर में भी बचाव दल द्वारा लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। सवाई माधोपुर के मानसरोवर बांध के डाउनस्ट्रीम में बनी बोदल पुलिया की मरम्मत का कार्य भी पूर्ण कर यातायात सुचारू कर दिया गया है। इस दौरान आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह गुर्जर, हंसराज मीणा, जसवंत सिंह गुर्जर मौजूद रहे।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग की तलहटी में अतिक्रमण की होगी जांच: शर्मा

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा है कि विश्व प्रसिद्ध चित्तौड़गढ़ दुर्ग की तलहटी में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण की जांच करवाकर कार्रवाई की जायेगी। शर्मा ने सोमवार को राजस्थान में चित्तौड़गढ़ में पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग की तलहटी में हो रहे अतिक्रमण की उन्हें जानकारी नहीं थी। अब जांच करवाकर उचित कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने मारवाड़ में विभिन्न सोलर कंपनियों द्वारा खेजड़ी और केर के वृक्ष काटे जाने पर कहा कि वह भूमि निजी खातेदारों की है और करार की शर्तों अनुसार ही काम चल रहा है। शर्मा ने कहा कि हाल ही राज्य में 10 करोड़ पौधों के लक्ष्य की तुलना में अब तक नौ करोड़ इक्यावन लाख पौधे लगाये गये हैं, जिनकी त्रि-स्तरीय निगरानी और जांच होगी। कितने पौधे जीवित हैं, इसकी रिपोर्ट इसकी मामले की निगरानी के लिये गठित समिति अगले वर्ष देगी।उन्होंने कहा कि इस समिति में जयपुर और भोपाल की सरकारी एजेंसियों के अलावा एक स्वतंत्र एजेंसी स्वयंसेवी संस्था होगी। उन्होंने वन क्षेत्र में अवैध खनन की बात को भी सिरे से खारिज कर दिया। इससे पहले शर्मा ने कलेक्ट्रेट में वन अधिकारियों एवं जिला कलेक्टर के साथ बैठक में विभागीय समीक्षा की। इस दौरान पूर्व मंत्री श्रीचंद्र कृपलानी के अलावा चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या एवं बेंगू विधायक सुरेश धाकड़ भी उपस्थित रहे।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव ने किया जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने सोमवार को जयपुर नगर निगम हैरिटेज एवं ग्रेटर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नालों की सफाई, सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता की स्थिति तथा जर्जर भवनों की पहचान एवं चिह्नांकन कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जैन सचिवालय से प्रस्थान कर स्टेच्यू सर्किल, गवर्नमेंट हॉस्टल, एम.आई. रोड, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, हसनपुरा पुलिया, खातीपुरा, झोटवाड़ा रोड होते हुए ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र में ग्रेनेड मार्ग, वैशाली नगर स्कीम, गौतम मार्ग ,विजय द्वार और गांधी पथ वेस्ट तक पहुंचे। उन्होंने इन क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, नालों की स्थिति, सड़क किनारे कचरा निस्तारण, अतिक्रमण की स्थिति और सार्वजनिक उपयोग के स्थलों की सफाई व्यवस्था का गहन अवलोकन किया।

जैन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नालों की समुचित सफाई तत्काल सुनिश्चित की जाए ताकि जलभराव की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दुकान के सामने डस्टबिन रखना अनिवार्य किया जाए और इसका पालन न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर चिन्हित जर्जर भवनों को देखा गया, जिनके संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि इन भवनों का त्वरित अतिक्रमण हटाकर विधिसम्मत ढंग से ध्वस्तीकरण कराया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन दुकानों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा स्वच्छता नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध तत्काल चालान जारी किए जाएं।

इस निरीक्षण के दौरान सफाई में लापरवाही बरतने पर कुछ ढाबा संचालकों एवं दुकानदारों पर मौके पर ही जुर्माना भी लगाया गया। जैन ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्वच्छता के प्रति गंभीरता को समझते हुए ज़मीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही को बर्दाश्त न किया जाए। जैन ने आमजन से भी अपील की कि वे शहर की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाएं और एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक की भूमिका निभाएं। इस दौरान स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर, नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉ निधि पटेल, ग्रेटर आयुक्त डॉ.गौरव सैनी सहित संबंधित क्षेत्र के उपायुक्त व अभियंता उपस्थित रहे ।

नागौर में पुलिस ने 2.16 करोड़ का डोडा पोस्त जब्तकर एक तस्कर को किया गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में नागौर जिले की पांचौड़ी पुलिस ने एक खेत में छापा मारकर 2.16 करोड़ रुपए मूल्य का अवैध डोडा पोस्त जब्तकर इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ एवं अपराध) दिनेश एम एन के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत इनामी अपराधियों, गैंगस्टर, संगठित गिरोहों आदि के बारे में आसूचना संकलन कर धरपकड़ के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया और इस दौरान सूचना मिली कि भेड़ गांव का श्रवणराम विश्नोई (40) अपने खेत में अवैध डोडा पोस्त छिपाए बैठा है।

इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी श्रवणराम के खेत पर छापा मारकर वहां से 50 कट्टों में भरा 1441 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया और मौके से ही आरोपी श्रवणराम को गिरफ्तार कर लिया। बरामद डोडा पोस्त की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2 करोड़ 16 लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में श्रवणराम ने बताया कि यह डोडा पोस्त उसे तीन दिन पहले जोधपुर जिले के थाना करवड़ के तहत भवाद निवासी दिनेश बिश्नोई ने पिकअप से सप्लाई किया था जिसे टांकला गांव के अखाराम जाट को देने वाला था। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े दिनेश और अखाराम सहित अन्य सभी लोगों की तलाश में जुट गई है।

प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की सुविधा प्रारंभ करने के होंगे प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि राजस्थान अंगदान एवं प्रत्यारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू हो, ताकि इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों का जीवन बचाया जा सके। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों से आह्वान किया कि वे इस दिशा में सक्रियता से कार्य करें। राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव सोमवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज संभागार में अंगदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अंगदान जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर वर्ष करीब 10 हजार मौतें सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। इनमें से 10 प्रतिशत ब्रेन डेड व्यक्तियों का अंगदान भी संभव हो सके तो अंगों की प्रतीक्षा कर रहे अनेक रोगियों को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अंगदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जिससे व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद भी जीवित रहता है और यह पुण्यकर्म उसे पूरी सृष्टि से जोड़ देता है। अम्बरीष कुमार ने कहा कि दुर्घटना, असंतुलित जीवन शैली और जेनेटिक कारणों से अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता बढ़ रही है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं। हमारा खानपान संतुलित हो और योग आदि से अपने शरीर को स्वस्थ रखें। इससे हम न केवल निरोग रहेंगे, बल्कि अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता भी कम से कम होगी। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों में योग क्लासेज प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए। अम्बरीष कुमार ने कहा कि अंगदान एवं प्रत्यारोपण आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की पराकाष्ठा है, जिसने मौत से संघर्ष कर रहे व्यक्तियों के जीवन में रोशनी पैदा की है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की बदौलत हमारी औसत आयु बढ़कर 75 वर्ष तक पहुंच गई है, जो आजादी के समय 26 से 30 वर्ष हुआ करती थी।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि राज्य सरकार अंगदान एवं प्रत्यारोपण की सुविधाओं में निरंतर विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है।

निबंधक ने किया राज किसान गिरदावरी एप का लाइव परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में चलाये जा रहे ऑनलाइन गिरदावरी अभियान का लाइव परीक्षण सोमवार को राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने किया। अजमेर तहसील के गगवाना एवं मोहामी में स्वयं कृषक के हाथों उन्हीं के मोबाइल पर राज किसान गिरदावरी एप के जरिए सफल गिरदावरी दर्ज कराई गई।

गगवाना के किसान पूनम चंद के खेत पर खसरा क्रमांक 1562 व खसरा क्रमांक 1563 पर अलग-अलग कृषि उपज की ऑनलाइन गिरदावरी की गई। इसी प्रकार मोहामी ग्राम के कृषक सीताराम के खेत पर खसरा नंबर 91 व खसरा नंबर 100 के कृषि उपज का ऑनलाइन गिरदावरी का सफल परीक्षण किया गया। इस दौरान कृषकों के मोबाइल पर राज किसान गिरदावरी एप के माध्यम से सूचनाएं दर्ज करने संबंधी तकनीकी व व्यावहारिक जानकारी प्रदान करते हुए गिरदावरी दर्ज कराई तो वे इस सुविधा से बहुत प्रसन्न हुए। निबंधक महावीर प्रसाद ने ऐप परीक्षण के दौरान किसान गिरदावरी ऐप का और सरलीकरण करने के लिये तकनीकी नॉडल अधिकारी (डिजिटल क्रॉप सर्वे) एवं संयुक्त निदेशक (सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग) को प्रदान किये ताकि अधिकाधिक कृषक बिना किसी अड़चन के गिरदावरी प्रक्रिया को स्वयं के स्तर से ही पूरा कर सकें।

निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान मंडल के अतिरिक्त निबंधक हेमंत स्वरूप माथुर, संयुक्त निदेशक (आइटी) सौरभ बामनिया, सहायक निदेशक पवन शर्मा, आइएलआर सुनील शर्मा एवं पटवारी दीपक चौधरी ने भी ऑनलाइन गिरदावरी लाइव परीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान किया । राज किसान माबाइल एप पर चंद मिनटों में ही खुद के हाथों गिरदावरी दर्ज करना बहुत शानदार व अनूठा अनुभव है। यह बहुत अच्छी व किसानों के हित वाली सुविधा है।

चौकी-नाकों के निरीक्षण व जर्जर भवनों के स्थान पर नवीन भवनों के प्रस्ताव भेजने के निर्देश

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में वन एवं पर्यावरण विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं, योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। वन मंत्री शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेशभर में हो रहे पौधारोपण को प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक सशक्त पहल बताया और कहा कि समन्वित प्रयासों से पर्यावरण संरक्षण संभव है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव है।

शर्मा ने निर्देश दिए कि जिले में वन कर्मियों की चौकियों व नाकों का तत्काल निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी जर्जर भवन में चौकी या नाका संचालित नहीं होना चाहिए। जहां भी आवश्यकता हो, वहां नवीन भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव सरकार को भेजे जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि वे भविष्य में औचक निरीक्षण कर सकते हैं, अतः अधिकारी सजग व तत्पर रहें।

ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना से लगभग 6.27 लाख लोगों को उपलब्ध हो सकेगा स्वच्छ पेयजल : शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर गांव, हर ढाणी और हर व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाकर लोगों का जीवन बेहतर बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को सशक्त एवं समृद्ध बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। शर्मा सोमवार को दौसा जिले के लालसोट विधानसभा क्षेत्र स्थित डूंगरपुर गांव में आयोजित समारोह में रिमोट का बटन दबाकर ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना का शिलान्यास किया।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि महादेव की कृपा से प्रदेश में भरपूर बारिश से जलाशय लबालब हो गए हैं और ईरसदा बांध में भी खूब पानी आया है। उन्होंने कहा कि ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना के तहत लालसोट में लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से 8 स्वच्छ जलाशयों, 5 पंपहाउस, 47 उच्च जलाशयों का निर्माण किया जाएगा। इसमें 280 किलोमीटर राइजिंग मुख्य पाइपलाइन, 200 किलोमीटर से अधिक मुख्य पाइपलाइन एवं 1360 किलोमीटर वीडीएस पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक पूर्ण किए जाने वाले इन कार्यों से 302 गांवों की लगभग 5 लाख 58 हजार आबादी और लालसोट की करीब 69 हजार आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। शर्मा ने कहा कि लालसोट विधानसभा में 120 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य विकास कार्यों की भी स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 8 हजार 496 करोड़ रुपये खर्च कर 82 हजार 964 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई है।

झामुमो संस्थापक शिबू सोरेन का निधन

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/नई दिल्ली/भाषा। झारखंड के गठन में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन ने सोमवार को अंतिम सांस ली। वह 81 वर्ष के थे। उनके बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निधन की जानकारी दी।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन गुर्दे संबंधी समस्याओं के कारण एक महीने से ज्यादा समय से दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे।

हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर लिखा, ''आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सबको छोड़कर चले गए... मैं आज 'शून्य' हो गया हूं।'' झारखंड विधानसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया, जबकि राज्य सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री के निधन के बाद तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया।

देशभर से विभिन्न नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया है। झामुमो ने बताया कि शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर शाम साढ़े पांच बजे दिल्ली से रांची लाया जाएगा।

पार्टी ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर मंगलवार को रामगढ़ जिले में उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा और वहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में झारखंड विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा, ''दिशोम गुरु शिबू सोरेन आज स्वर्ग सिधार गए... उनका निधन न केवल झारखंड के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है... वह गरीबों के लिए अपनी लड़ाई के लिए जाने जाते थे...।'' झारखंड विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र एक अगस्त से शुरू हुआ था।

झारखंड सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के सम्मान में तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सरकार ने इस अवधि के दौरान अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम भी रद्द कर दिए हैं। राज्य सरकार के सभी कार्यालय चार और पांच अगस्त को बंद रहेंगे।

शिबू सोरेन का सर गंगा राम अस्पताल के 'नेफ्रोलॉजी' विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए. के. भल्ला की निगरानी में 19 जून से उपचार किया जा रहा था। डॉ. भल्ला ने बताया कि शिबू सोरेन को सुबह आठ बजकर 56 मिनट पर मृत घोषित कर दिया गया।

डॉक्टर ने कहा, ''वह गुर्दे की बीमारियों से पीड़ित थे और उन्हें डेढ़ महीने पहले दौरा भी पड़ा था। वह पिछले एक महीने से जीवन रक्षक प्रणाली पर थे।'' अस्पताल ने एक बयान में कहा, ''हमारी बहु-विषयक चिकित्सा टीम के अथक प्रयासों के बावजूद, शिबू सोरेन का चार अगस्त, 2025 को निधन हो गया। उनके अंतिम सांस लेने के दौरान उनका परिवार उनके पास मौजूद था।'' शिबू सोरेन पिछले 38 वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता थे और पार्टी के संस्थापक संरक्षक भी थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री शिबू सोरेन जी का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। उन्होंने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि शिबू सोरेन जनजातीय समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने को लेकर प्रतिबद्ध थे। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे जो लोगों के प्रति अटूट समर्पण के कारण जननेता बने। वे जनजातीय समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे।'' मोदी ने कहा, ''उनके निधन से बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।'' प्रधानमंत्री मोदी, शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए अस्पताल भी गए। मोदी ने शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि देने के लिए सर गंगा राम अस्पताल गया। उनके परिवार से भी मुलाकात की। हेमंत जी, कल्पना जी और श्री शिबू सोरेन जी के प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।'' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''श्री शिबू सोरेन जी के निधन से गहरा दुख हुआ है। वह भारतीय राजनीति के एक प्रमुख चेहरे थे, जिन्होंने जीवन हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान और झारखंड की पहचान बनाने के लिए समर्पित कर दिया। उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। ओम शांति।''

सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सनातन धर्म के बढ़ते गौरव से कांग्रेस और सपा परेशान हैं।

वह यहां 381 करोड़ रुपए की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगी ने मालेगांव विस्फोट मामले में हिंदू नेताओं को फंसाने और रामसेतु को तोड़ने की कोशिश का जिक्र करते हुए कहा, पहले सरकारें आतंकियों को संरक्षण देती थीं और सनातन धर्म के गौरव को कम करने की कोशिश करती थीं। उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी विरासत का सम्मान करते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी दलों को भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व नहीं है। पूर्ववर्ती सरकारों पर गरीबों के हित में कोई काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए योगी ने कहा, डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र की उपेक्षा को समाप्त कर विकास और विरासत के संरक्षण का एक नया अध्याय शुरू किया है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में विकास, विरासत और स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार भैंसा गाड़ी नहीं, बल्कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रही है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार विकास और विरासत के संरक्षण में संतुलन बनाए हुए है। उन्होंने पिछली सरकारों पर जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले की सरकारें जाति के नाम पर समाज को बांटती थीं और योजनाओं का लाभ केवल एक परिवार तक सीमित रहता था। उन्होंने सपा मुखिया पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में एक परिवार अराजकता करता था और बदनाम पूरी जाति होती थी। योगी ने कहा कि आज भाजपा सरकार ने सहारनपुर को उसकी पहचान और गौरव से जोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन के अवसर पर आठ, नौ और 10 अगस्त को महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की। उन्होंने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा ,'' त्योहारों के इस मौसम में स्वच्छता हमारा दायित्व है।'' उन्होंने 15 अगस्त को तिरंगा यात्रा और राष्ट्रगान के आयोजन की अपील भी की।

नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षकों की भर्ती के लिए 'डोमिसाइल' नीति की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी शिक्षकों की भर्ती में 'डोमिसाइल' नीति की सोमवार को घोषणा की। हालांकि, मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि राज्य में जन्मे और पले-बढ़े लोगों के लिए कितने प्रतिशत भर्तियां आरक्षित होंगी। यह घोषणा राज्य में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले की गई है।

कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (डोमिसाइल) को प्राथमिकता देने के लिए शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हम लोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-4 से ही लागू की जाएगी जो इस साल होगी। वहीं वर्ष 2026 में टीआरई-5 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीआरई-5 के आयोजन से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) का आयोजन करने का भी निर्देश दिया गया है। हाल में, बिहार में 'डोमिसाइल नीति' को लेकर बढ़ते घमासान के बीच, बिहार मंत्रिमंडल ने आदेश दिया कि सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत का कोटा केवल राज्य की 'स्थायी निवासियों' तक ही सीमित रहेगा। वर्ष 2016 में, बिहार सरकार ने राज्य में सभी स्तरों पर सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 'डोमिसाइल' के मुद्दे पर राजनीतिक दलों द्वारा जनता को अपने-अपने पाले में करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सत्ता में आने पर '100 प्रतिशत डोमिसाइल' का वादा किया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी कुछ दिन पहले 'डोमिसाइल' की मांग के समर्थन में सामने आए थे, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर राजद की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया था। सरकारी नौकरियों में 'डोमिसाइल' नीति लागू करने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में नौकरी के आकांक्षी उम्मीदवारों ने एक अगस्त को पटना में विरोध प्रदर्शन किया और यातायात को अवरुद्ध कर दिया।

राहुल की टिप्पणी नुकसानदेह, न्यायालय की फटकार के बाद उन्हें तौर-तरीके सुधारने चाहिए : किरेन रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। चीन पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कांग्रेस नेता निराधार दावे करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा फटकार लगाए जाने के बाद अपने तौर-तरीके सुधारेंगे। रीजीजू की यह टिप्पणी उस समय आई, जब उच्चतम न्यायालय ने चीन द्वारा 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जे के राहुल गांधी के दावे पर मौखिक रूप से कड़ी आपत्ति जताई। मंत्री ने कहा, विपक्ष के नेता के इस प्रकार के बयान राष्ट्र के लिए अत्यंत हानिकारक हैं तथा इनसे हमारी सेनाओं का मनोबल गिरता है। उन्होंने कहा कि कई नेताओं ने गांधी से निराधार बयान नहीं देने की अपील की थी, लेकिन वह कोई सलाह लेने को तैयार नहीं थे।

भाजपा ने राहुल को 'चीनी गुरु' बताया

कांग्रेस बोली: हर देशभक्त चीन पर जवाब मांग रहा है

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा राहुल से नाखुशी जताए जाने के बाद सोमवार को आरोप लगाया कि कि कांग्रेस नेता ने भारत को कमजोर करने और चीन को मजबूत करने की कसम खा रखी है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपने नेता का बचाव करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के पक्ष में राय बनाई, लेकिन सत्तापक्ष न्यायालय की मौखिक टिप्पणियों को लेकर लोगों को भ्रमित करना चाहता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गलवान की 2020 की घटना के बाद से हर देशभक्त भारतीय चीन मामले पर जवाब मांग रहा है लेकिन मोदी सरकार ने ''डीडीएलजे'' वाली अपनी नीति से सच्चाई को छिपाने की कोशिश की है। रमेश ने कहा कि सरकार की 'डीडीएलजे' वाली नीति का मतलब 'डिनायल (इनकार करना), डिस्ट्रैक्ट (ध्यान भटकाना), लाई (झूठ बोलना) और जस्टीफाई (सही ठहराना)' है।

अलीगढ़ में प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या, आरोपी पत्नी गिरफ्तार

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। अलीगढ़ जिले में पुलिस ने एक युवती को अपने पति की हत्या करने और फिर अपने प्रेमी की मदद से पड़ोसी जिले कासगंज में एक ईंट भट्टी के पास उसके जले हुए शव को फेंकने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दनसारी के निवासी यूसुफ (29) के रूप में की गयी है जिसके परिवार ने दो अगस्त को छर्रा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि यूसुफ शनिवार सुबह से लापता है। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। रविवार देर रात उसे सूचना मिली कि पड़ोसी कासगंज जिले के गांव में एक ईंट भट्ठे के पास एक अज्ञात व्यक्ति का जला हुआ शव मिला है। लापता व्यक्ति के परिवार ने शव की पहचान यूसुफ के रूप में की।

बेदखल किए लोगों को आश्रय नहीं दिया जाना चाहिए: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि किसी भी व्यक्ति को बेदखल किए गए लोगों को आश्रय नहीं देना चाहिए अन्यथा ''हमारे लोगों कि स्थिति'', जो बेदखली और अन्य उपायों के कारण सुधरी है वो फिर से ''खराब हो जाएगी''। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर लोग सहयोग करते रहेंगे तो सरकार 'जाति (समुदाय)' की रक्षा के लिए अपने अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी रखेगी।

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में आयोजित कार्यक्रमों से इतर संवाददाताओं से बातचीत में शर्मा ने कहा, ''हमारे लोग अब सचेत हैं। मुझे नहीं लगता वे ज्यादा सहयोग करेंगे।'' उनसे पूछा गया था कि क्या बेदखल किए गए लोग राज्य के अन्य हिस्सों में बस जाएंगे? उन्होंने कहा कि अतिक्रमणकारियों को वहीं लौट जाना चाहिए जहां से वे आए थे और सरकार को इस बात से कोई आपत्ति नहीं है।

जनता से बेदखल किए गए लोगों की सहायता नहीं करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे किसी भी व्यक्ति को उन्हें शरण नहीं देनी चाहिए अन्यथा हमारी स्थिति जो बेदखली और अन्य उपायों के कारण थोड़ी बेहतर हुई है, वो फिर से खराब हो जाएगी।''मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 29 लाख बीघा (9.5 लाख एकड़ से अधिक) भूमि अब भी अतिक्रमण के अधीन है। उन्होंने कहा, ''अभी बहुत काम किया जाना बाकी है यदि लोग हमारा सहयोग करें तो हम इसे कर पाएंगे और अपनी 'जाति' (समुदाय) की रक्षा कर पाएंगे।''

'अवैध धर्म परिवर्तन गिरोह'

अदालत ने छांगुर बाबा के सहयोगी को ईडी की हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। लखनऊ की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने छांगुर बाबा के कथित सहयोगी नवीन रोहरा को सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

अदालत ने उत्तर प्रदेश में कथित अवैध धर्मांतरण गिरोह से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत उसकी हिरासत केंद्रीय एजेंसी को दी है। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से रोहरा जेल में बंद है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पूछताछ के लिए उसकी (रोहरा की) हिरासत का अनुरोध करते हुए स्थानीय अदालत का दरवाजा खटखटाया था और एजेंसी को उसकी हिरासत मिल गई। एजेंसी ने पहले दावा किया था कि छांगुर बाबा द्वारा अर्जित सभी अचल संपत्तियां नवीन रोहरा और उसकी पत्नी नीतू रोहरा के नाम पर हैं, ताकि धनशोधन में उसकी वास्तविक संलिप्तता को छुपाया जा सके। इसने पिछले महीने छांगुर बाबा उर्फ जमालुद्दीन उर्फ करीमुल्ला शाह को भी इसी तरह हिरासत में लिया था।

पिछले महीने, संघीय एजेंसी ने बलरामपुर जिले में छांगुर बाबा के पैतृक स्थान और मुंबई में दो स्थानों पर तलाशी ली थी।

बाद में ईडी ने एक बयान में दावा किया कि आरोपी (छांगुर बाबा) को 22 बैंक खातों में 60 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई थी, जिसमें विदेश से प्राप्त बड़ी रकम भी शामिल थी।

अगर पुरी की पीड़िता लड़की वापस आ सके तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं : प्रवती परिदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने सोमवार को कहा कि अगर उनके इस्तीफा देने से पुरी की पीड़िता को वापस लाया जा सके तो वह अपने पद से 100 बार इस्तीफा देने को तैयार हैं। परिदा ने यह टिप्पणी विपक्षी दलों द्वारा लड़की की मौत पर उनके इस्तीफे की मांग पर की। लड़की परिदा के निमापारा विधानसभा क्षेत्र की रहने वाली थी।

ओडिशा के पुरी जिले में आग में झुलस कर जान गंवाने वाली 15 वर्षीय लड़की का उसके पैतृक गांव में सोमवार को भारी सुरक्षा इंतजाम के बीच अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद लड़की को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। लड़की 70 प्रतिशत से अधिक झुलस गई थी। पुरी जिले के बलंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बयाबार गांव में नाबालिग के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री ने लड़की की मौत पर हो रही राजनीति की भी निंदा की। परिदा ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं 100 बार इस्तीफा देने को तैयार हूं अगर इससे लड़की वापस आ सके, लेकिन मैं कभी भी किसी को उसकी मौत पर राजनीति करते हुए बर्दाश्त नहीं करूंगी। ''

तृणमूल कांग्रेस ने अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में अपना नेता नामित किया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को सोमवार को लोकसभा में अपना नेता नामित किया। यह जानकारी पार्टी सूत्रों ने दी।

सूत्रों ने बताया कि डायमंड हार्बर से तीन बार के सांसद बनर्जी वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय का स्थान लेंगे जो कोलकाता उत्तर से सांसद हैं। उन्होंने बताया कि बंदोपाध्याय को उनके खराब स्वास्थ्य के कारण इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह फैसला तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की अध्यक्षता में पार्टी सांसदों की डिजिटल तरीके से आयोजित एक बैठक में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में लोकसभा और राज्यसभा, दोनों के पार्टी सदस्य मौजूद थे। अभिषेक बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

तृणमूल कांग्रेस के पास लोकसभा में 29 सीट हैं और यह विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का एक प्रमुख घटक दल है।

मैं इस जीत को अपने करियर के शीर्ष पर रखूंगा: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने सोमवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से टेस्ट शृंखला ड्रॉ कराना 'भारतीय क्रिकेट के सबसे यादगार पलों में से एक होगा' क्योंकि यह एक ऐसी टीम द्वारा हासिल किया गया था जिसे विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति में 'दावेदार नहीं माना गया था'।

मोहम्मद सिराज ने थकान को धत्ता बताते हुए मैच के पांचवें दिन कमाल की गेंदबाजी करते हुए पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी में पांच विकेट झटक कर भारत को छह रन से यादगार जीत दिलाई। इस शृंखला में कई बार बेहतर स्थिति से होने के बावजूद मैच से नियंत्रण गंवाने वाली भारतीय टीम ने आखिरी एक घंटे में शानदार गेंदबाजी से मैच का पासा पलट दिया।

राहुल ने मैच के प्रसारकों से कहा, '' हमने भारत को विश्व कप उठाते हुए देखा है, मेरा मतलब है कि विश्व कप जीतने की बराबरी कोई नहीं कर सकता। लेकिन हर किसी के मन में इतने संदेह, इतने सवाल थे कि क्या टेस्ट क्रिकेट रहेगा या नहीं। मुझे लगता है कि दोनों टीमों ने जिस तरह से इस शृंखला में खेला है, मुझे लगता है कि हमने उस सवाल का जवाब दे दिया है।'' उन्होंने कहा, '' शृंखला से पहले किसी को उम्मीद नहीं थी कि हमारी टीम इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दे पायेगी। हमारे लिए हर मैच में संघर्ष कर वापसी करना और शृंखला को 2-2 से बराबर करना शानदार है। मुझे लगता है कि यह जीत हमारे लिए और भविष्य में भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए सबसे ऊपर रहेगी।'' राहुल इस टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक है। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 532 रन बनाये। वह कप्तान शुभमन गिल के बाद इस शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने युवा यशस्वी जायसवाल के कई बार टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। राहुल ने कहा, '' मुझे लगता है कि जब मैं टीम में शामिल हुआ तो मुझे यह महसूस हुआ (कि मैं सीनियर खिलाड़ियों में से एक हूं)। मैं लगभग दो हफ्ते पहले भारत ए के लिए खेलने आया था और तब मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ था। लेकिन जब मैं इस टीम में शामिल हुआ और मैंने चारों ओर देखा और मेरे पास रोहित, विराट और अश्विन नहीं थे, जिनके साथ मैंने अपना सारा क्रिकेट खेला है।''

हर कप्तान का सपना है सिराज जैसा गेंदबाज : गिल

लंदन/भाषा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि मोहम्मद सिराज जैसी क्षमता और कौशल वाला गेंदबाज हर कप्तान का सपना होता है। गिल ने साथ ही 2-2 की बराबरी को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की शृंखला में दिखाए गए क्रिकेट के स्तर का 'उचित प्रतिबिंब' करार दिया। शृंखला में 754 रन और चार शतक के साथ भारत के शृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे गिल ने सिराज की जमकर तारीफ की जिनके द ओवल में मैच में नौ विकेट की बदौलत भारत ने जीत दर्ज की और शृंखला बराबर की।

गिल ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान माइकल आथर्टन से कहा, ''सिराज किसी भी कप्तान का सपना है। उन्होंने हर गेंद और हर स्पैल में अपना सब कुछ झोंक दिया। 2-2 की बराबरी एक उचित प्रतिबिंब है। यह दर्शाता है कि दोनों टीम कितने जोश से भरी थीं और उन्होंने कितना अच्छा खेला।'' कप्तान ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भी तारीफ की जिन्होंने मैच में आठ विकेट लिए। वह हालांकि थोड़े महंगे साबित हुए। गिल ने कहा, ''जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान लगती है। मुझे लगता है कि आज हमने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी वह शानदार थी। हमें पूरा विश्वास था, कल भी, हमें पता था कि वे दबाव में हैं।''

सुविचार

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अय्यर ने फिर संभाल लिया 'मोर्चा'?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में जो बयान दिया है, उससे बिल्कुल भी हैरान होने की जरूरत नहीं है। हैरानी तो इस बात को लेकर है कि अय्यर अब तक खामोश रहे! विवादास्पद बयानों से अपनी ही पार्टी को कई बार नुकसान पहुंचा चुके अय्यर ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले 'मोर्चा' संभाल ही लिया। अपनी ताजा बयानबाजी के बाद वे पाकिस्तानी मीडिया में छा गए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा पीटे गए इस पड़ोसी देश के लिए अय्यर के बयान एक मलहम की तरह हैं। वे यह कहकर भारत के कूटनीतिक प्रयासों पर सवालिया निशान लगा सकते हैं कि 'जिन 33 देशों में हम गए, उनमें से किसी ने भी पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले के लिए दोषी नहीं ठहराया ... न संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है और न ही अमेरिका ने ... सिर्फ हम ही कह रहे हैं कि पाकिस्तान इसके पीछे है, लेकिन कोई हमें गंभीरता से नहीं ले रहा', लेकिन 6 मई से लेकर एक पखवाड़े तक पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की मुखमुद्राएं देख लें। पहले तो मुनीर एक तरह से गायब ही हो गए थे। बाद में जब सामने आए तो चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं। शहबाज शरीफ खुद बुरी तरह घबराए हुए थे। उन्होंने उस समय जो बयान दिए, उससे उनकी ही पोल खुल गई थी। भारत ने जिन देशों में अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे थे, उनसे इस बात की उम्मीद नहीं की गई थी कि वे पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाएं और हमसे हमदर्दी जताएं। उनके पाकिस्तान के साथ अपने संबंध हैं। वे हमारे लिए ऐसा क्यों करेंगे? प्रतिनिधिमंडल भेजने का सबसे बड़ा मकसद था- उन देशों को पाकिस्तान की आतंकी हरकतों और उनसे जुड़े खतरों से अवगत कराना। इसमें भारत कामयाब हुआ है।

उन देशों को भी पता चल गया है कि आतंकवाद की अंतरराष्ट्रीय राजधानी कहां है! कितने देशों ने हमारी सैन्य कार्रवाई का विरोध किया? यह इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि भारतीय प्रतिनिधिमंडलों ने अपना काम बहुत अच्छी तरह से किया था। जब प्रतिनिधिमंडल गए थे तो उन्होंने वहां स्थानीय नेताओं, अधिकारियों से मुलाकातें की थीं। मीडिया को संबोधित किया था। इससे उन देशों से पाकिस्तान में होने वाले निवेश पर असर पड़ेगा, लोग पर्यटन से दूरी बनाएंगे, पाकिस्तानियों के लिए अवसरों में कमी आएगी। इन सबका असर इस्लामाबाद के खजाने पर पड़ेगा। हमें पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी मुहिम लगातार चलानी चाहिए। वहां आतंकवाद, ईशनिंदा कानून का दुरुपयोग, अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न, राजनीतिक अस्थिरता आदि का विवरण देकर सभी देशों की महत्त्वपूर्ण भाषाओं में सामग्री का निर्माण किया जाए और उसे नियमित रूप से दूतावासों को भेजा जाए। खासकर यूरोपीय देशों को इस मामले में सावधान किया जाए कि आपके यहां जिस तरह पाकिस्तानियों के झुंड के झुंड आ रहे हैं, वे भविष्य में गंभीर समस्या पैदा करेंगे। उन्हें इस खतरे से आगाह किया जाए। उन देशों में इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है। उन्हें विश्वसनीय सामग्री की जरूरत है। यूरोपीय देशों की सरकारें पाकिस्तान को समय-समय पर आर्थिक सहायता देती रहती हैं। उनके नागरिकों को बताना होगा कि आपके यहां से जो पैसा पाकिस्तान जाएगा, वह एक दिन बम बनकर लौटेगा। पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक सहायता तुरंत बंद होनी चाहिए। अगर यूरोप में ऐसा माहौल बन जाता है तो पाकिस्तान के आर्थिक हितों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जहां तक किसी देश की सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर बयान देने या न देने का सवाल है तो हमें इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। हमें अपनी शक्ति, संकल्प, संसाधनों और एकता पर भरोसा होना चाहिए। हम अपने दम पर आतंकवादियों का खात्मा करेंगे।

ट्वीटर टॉक

आज नई दिल्ली में आयोजित अमर उजाला माय ज्योतिष महाकुंभ 2025 में सम्मिलित हुआ। यह भारत के मौलिक ज्ञान से विज्ञान की संबद्धता को रेखांकित करता आयोजन है जिसमें देश के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य भागीदारी कर रहे हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए अंतिम और रोमांचक टेस्ट मैच में शानदार जीत दर्ज करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। पांच मैचों की यह टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई, जिसमें हमारे खिलाड़ियों ने शानदार किया।

-वासुदेव देवनानी

जन-जन की श्रद्धा, आस्था और भक्ति का पवित्र केंद्र श्री सालासर बालाजी धाम के 271वें स्थापना दिवस की समस्त भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलमय बधाइयाँ। यह दिव्य धाम केवल हमारी आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्किमनोकामनाओं की पूर्ति का परम केंद्र है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

भक्ति की शक्ति

संत तुकाराम प्रभु भजन और कीर्तन में इतने लीन रहा करते थे कि कभी कभी खेतों पर मज़दूरी करने जाना भी भूल जाते थे। उनकी पत्नी जिजाई उन्हें अपने दो बच्चों का वास्ता देकर उन्हें काम पर जाने के लिए जोर डालती थी ताकि परिवार का भरण पोषण हो सके। पत्नी की बात मानकर अगले दिन तुकाराम दो रोटी साथ मे बांधकर प्रभु स्मरण करते हुए खेतों की ओर निकल गए। गांव के पंडे ने, जो कि तुकाराम से ईर्ष्या रखता था, वहां आकर कुछ सांड खेतों में छोड़ दिए ताकि तुकाराम का मालिक उन पर खेतों की रक्षा न कर पाने का आरोप लगा सके और उन्हें काम से निकाल दे। सांडों ने खड़ी फसल व मुंडेर तहस-नहस कर दी। तुकाराम बिना घबराए एक जगह खड़े हो गए और अपने इष्ट को याद करते हुए भजन गाने में तल्लीन हो गए। देखते ही देखते सब यथावत हो गया। नष्ट फसल फिर से खड़ी हो गई और मुंडेर पूर्ववत बन गई। अब उस खेत में इतना अन्न उग आया था कि वह पूरे गांव के लिए पर्याप्त था। पंडे ने जब यह लीला देखी तो लज्जित होकर तुकाराम के चरणों में गिर पड़े।

सामयिक

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

अशोक मधुप

अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तै किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी।हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है।यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी।इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम , अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सोफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सोफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है। साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था।वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रम्प ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था।इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को 'बुरा बिजनेस फैसला' बताया।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी , महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है। अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा।

एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है।

अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं।

अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं।मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.27 हो गई । अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, 'अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है।'अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है।

ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है। शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट दिखाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने श्रम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों को खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने श्रम विभाग की निदेशक एरिका मेकएंटरफेर को भी पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एरिका की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।

भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है।

भारत के 11 से 13 मई 1998 में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया । इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। उस समय विशेषज्ञों की ऐसी राय थी कि भारत अलग-थलग पड़ जाएगा और इसकी अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी। इन प्रतिबंध का भारत सफलतापूर्वक सामना कर अपने को अडिग साबित करने में कामयाब रहा। सात साल बाद अमेरिका ने इसे एक असाधारण मामले के रूप में मानते हुए, भारत को मुख्य धारा में लाने के लिए पहला कदम उठाया, जिसकी परिणति 2005 में भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के रूप में हुई।

भारत परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों में नही झुका तो अब तो उसकी हालत बहुत मजबूत है।एक कुशल नेतृत्व उसके पास है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल न ले।भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने हितों से कोई समझौता नही करेगा। भारत रूस से पहले की तरह तेल लेता रहेगा। इतना ही नही भारत ने अमेरिका की आंख की किरकिरी ईरान से भी तेल खरीदने की घोषणा कर दी है। उधर अमेरिका को इस घटनाक्रम के बाद साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ35 लड़ाकू विमान नहीं ख़रीदेगा।

अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तै किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी।हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है।यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी।इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम , अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सोफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सोफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो। भारत और टैरिफ वार के शिकार देशों को डालर में खरीद फरोख्त बंद करनी पर होगी। भारत ने रूस और कुछ अन्य देशों के साथ अपनी मुद्रा में खरीदारी शुरू कर दी है। यदि सभी देशों द्वारा डालर का विकल्प खोजकर व्यापार शुरू किया जाता है तो अमेरिका के लिए ये बड़ा झटका होगा।

नजरिया

जलवायु परिवर्तन से जूझते भारत और अमेरिका

डॉ. नीलू तिवारी
मोबाइल: 94139 07005

हाल ही में एक बार फिर दुनिया भर में आई भूस्खलन और बाढ़ की लगातार घटनाओं ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। असल में अब जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन गया है, जिसके प्रभाव हर देश में अलग-अलग रूप में सामने आते हैं। अगर भारत और अमेरिका जैसी शक्तियों की बात की जाए, तो दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन इनके भौगोलिक, पर्यावरणीय और विकासात्मक अंतर के कारण इन प्रभावों की प्रकृति भिन्न है।

भारत में मानसूनी जलवायु के कारण वर्षा एक सीमित अवधि में अधिक मात्रा में होती है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। हिमालय घाटी, उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में अत्यधिक वर्षा, हिमनदों के पिघलने और वनों की कटाई जैसे कारण भूस्खलन के पीछे प्रमुख हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में विशेष रूप से कैलिफोर्निया और वाशिंगटन जैसे राज्यों में जंगलों की आग, अचानक भारी वर्षा और पर्वतीय ढलानों पर बसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियां भूस्खलन को जन्म देती हैं।

भारत में भूस्खलन के खतरे को भांपने और चेतावनी देने की प्रणाली सीमित है, जबकि अमेरिका में अत्याधुनिक सैटेलाइट और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली के माध्यम से अधिक प्रभावशाली पूर्व चेतावनी दी जाती है। भूस्खलन के कारण न केवल सड़कों, पुलों और भवनों को क्षति पहुंच रही है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का जीवन भी असुरक्षित हो गया है। 2023 में हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लैंडस्लाइड और बाढ़ के चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए और पर्यटकों की आवाजाही ठप पड़ी, जिससे इन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ा।

हमें इस तथ्य की ओर देखना होगा कि यदि हमने जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं लिया, तो भारत में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता आने वाले वर्षों में और बढ़ेगी। नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को मिलकर इस दिशा में सतर्कता और जागरुकता से काम करने की आवश्यकता है। समय की यह जरूरत न केवल शिक्षा और मीडिया के लिए उपयोगी है, बल्कि आपदा प्रबंधन, पर्यावरण नीति निर्माण और सतत विकास से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे सभी लोगों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करता है। जलवायु परिवर्तन जैसे सामयिक मुद्दे की प्रासंगिकता इसलिए और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह केवल समस्या को नहीं दर्शाता बल्कि समाधान की दिशा में सोचने के लिए भी प्रेरित करता है।

पहले जहां भूस्खलन केवल भारी वर्षा या भूकंप के बाद होता था, अब यह बिना किसी पूर्व सूचना के भी घटित हो सकता है। इसका मुख्य कारण है जलवायु में आए तेज बदलाव जैसे कि असामान्य और अत्यधिक वर्षा, बर्फबारी का असंतुलन और वनों की अंधाधुंध कटाई। जलवायु परिवर्तन ने न केवल वर्षा के स्वरूप को बदल दिया है, बल्कि यह भी देखा गया है कि अब वर्षा कम समय में अधिक मात्रा में होती है, जिससे मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है और ढलानों से मलबा फिसलने लगता है। हिमालयी राज्यों जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

साल 2023 में हिमाचल प्रदेश में रिकॉर्डतोड़ बारिश ने कई स्थानों पर बड़े भूस्खलनों को जन्म दिया, जिससे सैकड़ों घर और सड़कें बर्बाद हो गईं। केरल और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में भी भारी वर्षा के बाद भूस्खलन आम हो गया है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में सतही तापमान में वृद्धि से बर्फ तेजी से पिघल रही है और उसकी वजह से नीचे की चट्टानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इसके साथ-साथ मानवीय गतिविधियां जैसे अवैज्ञानिक निर्माण, पेड़ों की कटाई और अवैध खनन भी इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 300 से अधिक भूस्खलन दर्ज किए जाते हैं। इनमें से कई जानलेवा साबित होते हैं और आर्थिक दृष्टि से भी नुकसान पहुंचाते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय मौसम विभाग ने भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली की दिशा में कार्य प्रारंभ किया है, लेकिन इनका विस्तार सीमित क्षेत्रों तक ही है। भारत में विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में भारी मानसूनी वर्षा और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण भूस्खलन आम बात हो गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में अंधाधुंध निर्माण, सड़क चौड़ीकरण, वनों की कटाई और बढ़ती आबादी के कारण ढलानों की स्थिरता लगातार कमजोर हो रही है। 2023 में केवल हिमाचल प्रदेश में 80 से अधिक बड़े भूस्खलन दर्ज किए गए, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ। भारत में जलवायु परिवर्तन मानसून के स्वरूप को असामान्य बना रहा है, जिससे कम समय में तीव्र वर्षा होती है और पहाड़ों की मिट्टी खिसकने लगती है।

भारत और अमेरिका, दोनों देशों में भूस्खलनों के पीछे जलवायु परिवर्तन ही एक प्रमुख कारण है, लेकिन उससे निपटने की क्षमता में स्पष्ट अंतर है। अमेरिका के पास आधुनिक उपग्रह तकनीक, मौसम पूर्वानुमान प्रणालियां और आपदा प्रबंधन संस्थान जैसे फेमा हैं, जो चेतावनी और राहत कार्यों को कुशलता से अंजाम देते हैं। भारत में राज्य आपदा प्राधिकरण सक्रिय तो हैं, लेकिन संसाधनों की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित पहुंच और प्रशासनिक ढिलाई के चलते समय पर चेतावनी और राहत देना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। जहां अमेरिका में जलवायु परिवर्तन पर राजनीतिक बहस और विरोध भी देखने को मिलता है, वहीं भारत में समस्या को समझने और नीतियों में प्रभावी क्रियान्वयन की गंभीर कमी है। भारत को तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को प्रशिक्षित करना होगा और पर्यावरणीय नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करना होगा।

दोनों देशों का अनुभव यह बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब एक धीमा संकट नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रत्यक्ष और विनाशकारी रूप में सामने आ रहा है। वैश्विक स्तर पर सहयोग, अनुभवों का आदान-प्रदान और संयुक्त प्रयास ही इस संकट से निपटने का एकमात्र विकल्प है। भारत और अमेरिका यदि अपने अनुभवों को साझा करें और मिलकर रणनीति बनाएं, तो भूस्खलन जैसी आपदाओं के साथ जलवायु परिवर्तन की व्यापक चुनौती से भी बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। भूस्खलन अब केवल एक भौगोलिक समस्या नहीं, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन की जीवंत अभिव्यक्ति बन चुका है। भारत और अमेरिका की तुलनात्मक स्थिति यह दर्शाती है कि विकास, प्रौद्योगिकी और नीति क्रियान्वयन की गुणवत्ता इस संकट से निपटने में कितनी अहम भूमिका निभाते हैं।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन चुका है, जो मानव जीवन, जैव विविधता और आर्थिक संरचनाओं को गहराई से प्रभावित कर रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। इसमें भारत तथा अमेरिका की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत एक विकासशील देश है, जहां तीव्र आर्थिक प्रगति, बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की बड़ी चुनौतियां हैं। दूसरी ओर अमेरिका तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से संपन्न देश है, लेकिन वह दुनिया खासकर भारत के साथ मिलकर काम करे तो यह साझेदारी वैश्विक जलवायु प्रयासों को एक नई दिशा दे सकती है। इस बारे में दोनों देशों को मिलकर सोचना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

धारावाहिक 'गऊ गुणों की खान' के शीर्षक गीत की धुन को अंतिम रूप देते हुए गायक – संगीत निर्देशक सतीश देहरा। साथ हैं गीत के लेखक व धारावाहिक के लेखक – निर्देशक शंभु सोनी व सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार सुधाकर शर्मा।

गोमाता पर एक और धारावाहिक

'गऊ गुणों की खान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। करीब 15 साल पहले गोमाता नाम से एक धारावाहिक आस्था चैनल पर 26 एपिसोड के साथ प्रसारित हुआ था जिसके लेखक निर्माता निर्देशक मुंबई के शंभु सोनी थे।अब उन्हीं के लेखन–निर्देशन में एक और धारावाहिक 'गऊ गुणों की खान' संस्कार चैनल के लिए निर्माता रामानुज भट्टड़ बना रहे हैं। भट्टड़ के अनुसार प्रारंभ में 52 एपिसोड की तैयारी है, गोमाता की कृपा हुई तो यह संख्या बढ़ सकती है।

इस धारावाहिक के शीर्षक गीत की धुन को अंतिम रूप दिया गायक व संगीत निर्देशक सतीश देहरा ने। गीत शंभु सोनी ने लिखा है। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार सुधाकर शर्मा भी संयोगवश उपस्थित थे। जब सुधाकर शर्मा ने गीत के शब्द सुने तो बहुत खुश हुए और उन्होंने शंभु सोनी के सिर पर हाथ रखते हुए धारावाहिक के सफल होने का आशीर्वाद दिया। इस पर शंभु सोनी भावुक हो गये और नम नेत्रों से उनके पैर छूकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

गीत का मुखड़ा है– 'दुवा भी देती है,दवा भी देती है। पंच गव्य देती तू महान है। वैतरणी भी तू ही पार कराती। गऊ माता तू गुणों की खान है'।

धरना

ईपीएफओ पेंशनभोगियों ने सोमवार को नई दिल्ली के जंतर मंतर पर आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए उच्च पेंशन की अपनी मांग के समर्थन में धरना दिया।

हिरोशिमा पर परमाणु हमले के आठ दशक बाद भी नजदीकी द्वीप पर मृतकों के अवशेष की तलाश जारी

निनोशिमा (जापान)/एपी। जब 80 वर्ष पूर्व छह अगस्त को पहला परमाणु बम विस्फोट हुआ था, तो हजारों मृतकों को आत्मघाती हमले के लिए प्रशिक्षित सैन्य नौकाओं द्वारा हिरोशिमा के दक्षिण में स्थित छोटे से ग्रामीण द्वीप निनोशिमा लाया गया था।

आठ दशक पहले (80 वर्ष पूर्व) छह अगस्त 1945 को हुए परमाणु हमले के बाद अब भी हिरोशिमा के नजदीकी द्वीप पर मृतकों के अवशेष की तलाश जारी है। कई पीड़ितों के कपड़े जल गए थे और उनके चेहरे और अंगों से मांस के लोथड़े लटक रहे थे। वे दर्द से कराह रहे थे।

ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, खराब चिकित्सा और देखभाल के कारण 25 अगस्त को जब फील्ड अस्पताल बंद हुआ तब केवल कुछ सौ लोग ही जीवित बचे थे। मृतकों को अव्यवस्थित और जल्दबाजी में चलाए गए अभियानों के बीच विभिन्न स्थानों पर दफनाया गया। दशकों बाद इस क्षेत्र के लोग लापता लोगों के अवशेषों की तलाश कर रहे हैं ताकि पीड़ितों के प्रति सम्मान व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सके। इसका मकसद उन बचे लोगों को राहत पहुंचाना भी है जो अब भी अपने लापता प्रियजनों को याद में दुखी हैं।

हिरोशिमा विश्वविद्यालय के शोधकर्ता रेबुन कायो मृतकों के अवशेषों की खोज के लिए नियमित रूप से निनोशिमा जाते हैं। उन्होंने कहा, जब तक ऐसा नहीं होता इन लोगों के लिए युद्ध समाप्त नहीं होगा।

लापता लोगों के अवशेष अब भी खोजे जा रहे हैं। हाल ही की एक सुबह, कायो एक पहाड़ी इलाके में स्थित उस जंगल के भूखंड पर पहुंचे, जहां वह 2018 से अवशेषों की तलाश में खुदाई कर रहे हैं।

'परीक्षा पे चर्चा' एक महीने में सर्वाधिक पंजीकरण के लिए 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा' पहल ''एक महीने में नागरिक सहभागिता मंच पर सबसे अधिक लोगों के पंजीकरण'' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुई है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कार्यक्रम के आठवें संस्करण के दौरान 3.53 करोड़ वैध पंजीकरण प्राप्त हुए।

प्रधानमंत्री मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' पहल के तहत छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधे संवाद करते हैं, जिसका उद्देश्य परीक्षा की अवधि को ''सकारात्मकता, तैयारी और उद्देश्यपूर्ण सीखने के उत्सव'' में बदलना है, जिससे परीक्षाएं तनाव के बजाय प्रोत्साहन का समय बन जाएं। 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' का प्रमाणपत्र औपचारिक रूप से दिए जाने के कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, ''परीक्षा पे चर्चा को तनाव को सीखने के उत्सव में बदलकर परीक्षाओं के प्रति राष्ट्रीय दृष्टिकोण के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है। इस कार्यक्रम के आठवें संस्करण ने 2025 में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुल 21 करोड़ से अधिक दर्शकों की संख्या दर्ज की।'' उन्होंने कहा, ''परीक्षा पे चर्चा 2025 में भारी भागीदारी को समग्र और समावेशी शिक्षा के प्रति देश की सामूहिक प्रतिबद्धता और विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाता है।''

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'परीक्षा पे चर्चा' को एक अनूठी पहल बताया जो छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को कल्याण और तनाव मुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाती है।

'परीक्षा पे चर्चा' एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें प्रधानमंत्री बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, वह परीक्षा के तनाव और अन्य मुद्दों से संबंधित छात्रों के प्रश्नों के उत्तर भी देते हैं। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम का पहला संस्करण फरवरी 2018 में तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। इसका सातवां संस्करण प्रगति मैदान के भारत मंडपम में 'टाउन हॉल' प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें देश–विदेश से प्रतिभागियों ने भाग लिया। आठवां संस्करण एक अलग प्रारूप में आयोजित किया गया, जिसमें आध्यात्मिक नेता सद्गुरु, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम जैसी प्रसिद्ध हस्तियां शामिल हुईं।

पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन रिश्ते में सच्चाई जरूरी: स्वरा भास्कर

मुंबई/एजेन्सी

ऐसे समय में जब मशहूर हस्तियों के ब्रेकअप और तलाक की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने दावा किया है कि वह अपने पति फहद अहमद से कभी अलग नहीं होना चाहेंगी। स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद ने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर बात की। जब स्वरा से पूछा गया, आप दोनों का आपस में झगड़ा हो जाए, तो आप एक दूसरे को छोड़ेंगे या माफ कर देंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वरा ने कहा, रिश्ते में लड़ाई होना आम बात है, लेकिन उसका मतलब अलग होना नहीं होता। वहीं, फहाद ने कहा, नहीं–नहीं, हमारे रिश्ते में 'छोड़ने' जैसा कुछ है ही नहीं। हमसे गलतियां होती हैं, तो हम एक–दूसरे से माफी मांग लेते हैं। हम दोनों ने कभी भी एक–दूसरे को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है।

अभिनेत्री ने कहा, कभी–कभी हम गुस्से में एक–दूसरे को ऐसी बातें कह देते हैं जिससे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन हमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जो इतना बुरा हो कि हमें एक–दूसरे को छोड़ने के बारे में सोचना पड़े। स्वरा भास्कर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कुछ कमी है। रिश्ते में भरोसा बहुत जरूरी है। हम एक–दूसरे से कहते तो हैं कि हमें थोड़ी सी 'स्पेस' चाहिए, लेकिन सच में हम एक–दूसरे को स्पेस देते नहीं हैं। इन दिनों स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं।

इस शो में कई फेमस जोड़ियां भी हैं जो अपने जीवन के खट्टे मीठे पलों को साझा कर रही हैं। शो की शुरुआत 2 अगस्त से हो चुकी है और इसे कलर्स टीवी पर प्रसारित किया गया। शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें आपको ड्रामा, फन, और रिश्तों के बीच की मजेदार झलक देखने को मिलेगी। इसमें कई मशहूर जोड़ियां शामिल हैं, जिनमें गुरमीत चौधरी–देबिना बनर्जी, रुबीना दिलैक–अभिनव शुक्ला, अविका गौर–मिलिंद चंदवानी, सुदेश लहरी–ममता लहरी, गीता फोगाट–पवन कुमार, और हिना खान–रॉकी जायसवाल हैं।

बातचीत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से बातचीत करते हुए।

मृणाल ठाकुर ने दर्शकों संग देखी 'सन ऑफ सरदार 2'

मुंबई/एजेन्सी

मृणाल ठाकुर इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को मिली सफलता का लुत्फ उठा रही हैं। फिल्म को देखते वक्त दर्शक किस तरह महसूस करते हैं और सीन पर उनकी कैसी प्रतिक्रिया होती है, यह देखने के लिए वह खुद थिएटर पहुंची। इस पल का वीडियो मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें वह पूरी तरह से फिल्म को एन्जॉय करती नजर आ रही हैं। मृणाल कभी कॉमेडी सीन पर हंसती दिखती हैं, तो कभी 'पहला तू, दूजा तू' गाने पर सीट पर बैठे–बैठे हुक स्टेप करती नजर आती हैं। वीडियो के आखिर में वह थिएटर में मौजूद दर्शकों से फिल्म का रिव्यू भी पूछती हैं और सभी से उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। इस वीडियो के साथ मृणाल ने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म 'सीता रामम' के बाद से उन्होंने एक छोटा–सा नियम बनाया कि वह हर नई फिल्म को थिएटर में जाकर दर्शकों के साथ देखेंगी, ताकि मेहनत का फल दर्शकों की हंसी, तालियों और उत्साह के रूप में महसूस कर सकें।

मृणाल ने कैप्शन में लिखा, ''फिल्म 'सीता रामम' के समय से मैंने एक आदत बना ली है कि जब भी मेरी कोई नई फिल्म रिलीज होती है, तो मैं थिएटर में जाकर दर्शकों के साथ वह फिल्म देखती हूं। क्योंकि असली मजा तब आता है जब आप अपने लिए हंसी, तालियां और प्यार थिएटर में गूंजते हुए देखें। हमारे लिए सबसे बड़ा इनाम यही है कि आपकी एनर्जी हमें वहां महसूस हो। अगर आपने अभी तक 'सन ऑफ सरदार 2' नहीं देखी है, तो जरूर थिएटर में जाकर देखिए। उम्मीद है कि फिल्म देखकर आपके चेहरे पर मुस्कान आएगी, आप हंसेंगे, और आपका दिल थोड़ा और खुश हो जाएगा।'' बता दें कि 'सन ऑफ सरदार 2' साल 2012 की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है। फिल्म में मृणाल ठाकुर के अलावा, अजय देवगन, रवि किशन, संजय मिश्रा, चंकी पांडे, नीरू बाजवा, कुब्रा सैत, रोशनी वालिया, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, शरद सक्सेना, अश्विनी कलसेकर, साहिल मेहता और दिवंगत मुकुल देव भी हैं।यह फिल्म 1 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज हुई।

मुलाकात

जम्मू बार एसोसिएशन के सदस्यों ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे।

सूरत का एक बंगला दो परिवारों के बीच चार पीढ़ियों से चली आ रही स्थायी दोस्ती का प्रतीक

सूरत/भाषा

गुजरात के सूरत शहर में स्थित 'मैत्री' नाम का बंगला दो परिवारों के बीच 80 साल से भी अधिक पुरानी दोस्ती का प्रतीक है। यह दोस्ती आजादी से पहले शुरू हुई थी और इसने तब से दोनों परिवारों की चार पीढ़ियों को जोड़े रखा है। गुणवंत देसाई और बिपिन देसाई के बीच 1940 के दशक में स्कूल के दिनों में पनपा दोस्ती का रिश्ता समय की कसौटी पर खरा उतरा है। गुणवंत के बेटे परिमल (63) ने बताया, मेरे पिता गुणवंत देसाई और उनके मित्र बिपिन देसाई 1940 के दशक में सूरत के सागरमपुरा क्षेत्र में रहते थे। उन्होंने बताया कि दोनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से प्रेरित होकर आजादी के आंदोलन में हिस्सा लिया और साथ में जेल भी गए।

परिमल के मुताबिक, पुणे के एक कृषि विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद गुणवंत और बिपिन सूरत लौट आए तथा साथ में कृषि एवं डेयरी उत्पादों का कारोबार शुरू किया। उन्होंने बताया, गुणवंत और बिपिन ने चाणक्यपुरी इलाके में एक कच्चे मकान में रहते हुए अपना संयुक्त उपक्रम शुरू किया। अलग होने या किसी और व्यापारिक साझेदार को लाने का विचार उनके मन में कभी नहीं आया।

परिमल के अनुसार, जब दोनों का परिवार बढ़ने लगा, तब उन्होंने साथ मिलकर एक बड़े घर में रहने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 1970 में दोनों ने यह डुप्लेक्स बंगला बनाया, जिसमें अलग–अलग रसोई और शयनकक्ष थे, लेकिन एक साझा ड्राइंग रूम था, जहां दोनों परिवारों के सदस्य एकत्र हो सकते थे, सुकून के पल बिता सकते थे और एक साथ जीवन का आनंद ले सकते थे। बिपिन के बेटे गौतम देसाई (70) ने कहा, हमारे पिताओं के बीच रिश्ता इतना मजबूत था कि लोग अक्सर उन्हें भाई समझ लेते थे।

टीवी ने कैरियर को दी नयी जिंदगी : सोनाली बेंद्रे

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का कहना है कि जब उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा था, तब कई लोगों ने उनके फैसले पर सवाल उठाए थे लेकिन अब वह इसे अपने करियर का सबसे अच्छा निर्णय मानती हैं। वह कहती हैं कि इस कदम ने न केवल उनके करियर को नयी दिशा दी, बल्कि उन्हें बेहतरीन पारिश्रमिक भी मिला। सोनाली ने 'क्या मस्ती क्या धूम...!' से टेलीविजन की दुनिया में शिरकत की थी। सोनाली ने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में बताया, हर कोई सोचता था कि मैं दिशा भटक गई हूं क्योंकि उस समय टीवी के लिए काम करना सही नहीं माना जाता था लेकिन शो की अवधारणा मुझे पसंद आई और पारिश्रमिक भी शानदार था। उन्होंने बताया कि उनके जीवनसाथी गोल्डी बहल ने इस फैसले में उनका पूरा साथ दिया।

सोनाली ने कहा, गोल्डी ने कहा था, 'यह भविष्य है, टेलीविजन बड़ा होने वाला है।' मैंने उनकी बात मानी और शो कर लिया। यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। उन्होंने इसके बाद 'इंडियन आइडल 4', 'इंडियाज गॉट टैलेंट', 'हिंदुस्तान के हुनरबाज़', 'इंडियाज बेस्ट ड्रामेबाज़' और 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' जैसे कई रियलिटी शोज को जज किया। वर्तमान में वह 'पति, पत्नी और पंगा' में होस्ट की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि टेलीविजन की बदौलत ही वह दर्शकों के बीच प्रासंगिक बनी रहीं। उन्होंने कहा, पहले शो देखने वाले बच्चे जो देखते थे, वे अब बड़े हो चुके हैं लेकिन आज भी मुझे याद रखते हैं। एक सेलेब्रिटी का जीवन तभी तक होता है, जब तक उसे उसके प्रशंसक याद रखते हैं।

जब धनुष ने झूठ बोलकर साइन करवाई फिल्म, सच सामने आने पर टूट गई थीं काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी–मानी अभिनेत्री काजोल अपनी शानदार अदाकारी और दमदार अभिनय के लिए हमेशा से फैंस के दिलों में खास जगह रखती हैं। सादगी और काम के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम दिलाया है। हर रोल में जान डालने वाली काजोल की मेहनत और ईमानदारी को हर कोई सलाम करता है। लेकिन उनकी जिंदगी और करियर के कुछ ऐसे पल भी रहे हैं, जिन्होंने सभी को चौंका दिए हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा है, जो साउथ सुपरस्टार धनुष से जुड़ा हुआ है। इस किस्से में धनुष ने काजोल से झूठ बोलकर फिल्म साइन करवाई थी, लेकिन जब बाद में उनका झूठ पकड़ा गया तो एक्ट्रेस का दिल टूट गया था। 5 अगस्त 1974 को मुंबई में जन्मीं काजोल एक फिल्मी परिवार से आती हैं। वह अभिनेत्री तनुजा समर्थ और दिवंगत फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी की बेटी हैं। बचपन से ही काजोल को अभिनय का शौक था और वे फिल्मों में काम करना चाहती थीं। उन्होंने अपना करियर 1992 में फिल्म 'बेखुदी' से शुरू किया था, लेकिन इस फिल्म से उन्हें खास सफलता नहीं मिली। असली पहचान उन्हें 1993 में आई फिल्म 'बाजीगर' से मिली, जिसमें उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया।

'बाजीगर' के बाद काजोल ने लगातार कई सफल फिल्में कीं, जैसे 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'गुप्त', 'प्यार तो होना ही था', और 'कभी खुशी कभी गम'। उनके अभिनय को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा। 1990 के दशक में वह हिंदी सिनेमा की टॉप अभिनेत्रियों में से एक बन गईं थीं। उस समय कई सारी अभिनेत्रियां ग्लैमर पर ज्यादा ध्यान देती थीं, लेकिन काजोल ने अपनी मेहनत, काबिलियत और असली अभिनय के दम पर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अलग–अलग तरह के किरदार निभाए और अपनी खासियत दिखाई। काजोल ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दीं, जिनमें 'दिल क्या करे', 'हम आपके दिल में रहते हैं', 'होते–होते प्यार हो गया', 'फना', 'यू मी और हम', 'माई नेम इज खान', 'वी आर फैमिली', 'दिलवाले' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी कदम रखा। उन्होंने धनुष के साथ 'वेलाईयिल्ला पत्तथरी 2' की। इस फिल्म को हिंदी में 'वीआईपी 2' के नाम से जाना जाता है। यह फिल्म 2017 की भारतीय तमिल भाषा की एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन सौंदर्या रजनीकांत ने किया है। फिल्म धनुष द्वारा लिखी और सह–निर्मित है। यह 2014 की फिल्म 'वेलाईयिल्ला पत्तथरी' का सीक्वल है और इसमें धनुष, अमला पॉल, विवेक, हृषिकेश, सरन्या पोनवन्नन और समुथिरकानी ने अपनी भूमिकाएं दोहराई, जबकि काजोल को खलनायिका का किरदार मिला।

इस फिल्म को लेकर एक इंटरव्यू में काजोल ने खुलासा किया था कि धनुष ने उनसे झूठ बोलकर फिल्म को साइन करवाया था। काजोल ने बताया कि जब धनुष और सौंदर्या रजनीकांत उनके पास तमिल फिल्म का ऑफर लेकर आए तो उन्होंने कहा था कि फिल्म में उन्हें तमिल नहीं बोलनी पड़ेगी, लेकिन जब वह फिल्म सेट पर पहुंची तो हुआ कुछ उल्टा ही। उन्होंने कहा, अभिनेता धनुष और निर्देशक सौंदर्या मेरे पास 'वेलाईयिल्ला पत्तथरी 2' की कहानी लेकर आए और मुझे कहा कि तमिल नहीं बोलनी होगी। मुझे झूठ बोला और मैं मान गई, लेकिन जब सेट पर पहुंची तो तमिल में डायलॉग पढ़ने के लिए पन्ने दे दिए, मुझे कहा, कोशिश करो। किसी और भाषा में रोल निभाना कोई आसान बात नहीं। मुझे होमवर्क मिलता था और रोज असिस्टेंट डायरेक्टर के साथ दो घंटे बिताने होते थे।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गृहस्थ आग का गोला है। वह बोले बिना नहीं रह सकता। साधु को गोचरी मिले तो संयम वृत्ति, न मिले तो तप वृत्ति अपनानी चाहिए। वे स्वाद के लिए नहीं, संयम के लिए ग्रहण करते हैं। साधु के लिए प्रमाण से अधिक या विगई का सेवन करना अकल्पित है। जो साधु छोटी बातों पर गुस्सा करें, स्वाद के अनुसार भोजन करे, मनमानी करे, उनके समीप नहीं रहना चाहिए। साथ ही यह भी कहा, साधु अपने आचरण से गिरे तो उनका प्रचार नहीं करना चाहिए, उन्हें नीचा दिखाना भी अनुचित है।

जीतो चेन्नई स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 में विजेताओं का किया सम्मान

नवजोत सिंह सिद्धू की उपस्थिति ने बढ़ाया उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) चेन्नई चैप्टर द्वारा आयोजित 'स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 का समापन रविवार को पंचसितारा होटल में हुआ। चैम्पियन्स का सम्मान की थीम पर आधारित इस आयोजन ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और प्रखर वक्ता नवजोत सिंह सिद्धू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 केवल एक रात का आयोजन नहीं था, बल्कि यह लगभग आठ महीने तक चले खेल महोत्सव का परिणाम था। इस अवधि में क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल जैसे विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्ण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिमें जैन समुदाय के खिलाड़ियों ने भाग लिया। समारोह के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें प्रोत्साहित करने का अपना उद्देश्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया। विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। चेन्नई चैप्टर के अध्यक्ष राजेश चंदन, उपाध्यक्ष राजेश जैन, मुख्य सचिव आकाश कुमार जैन और खेल संयोजक राजेश शाह ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन समिति में जेसीसीएल के संयोजक प्रशांत चंदन, सह-संयोजक निशांत जैन, जेसीएसएफ के संयोजक साहिल जैन और सह-संयोजक दीपक जैन आदि ने व्यवस्था संभाली। जेसीसीएल के लिए टाइटल डोनर रेनबो फाउंडेशन थे, जबकि जेसीएसएफ के लिए हिरानी फाउंडेशन ने टाइटल डोनर की भूमिका निभाई। एनजीबी इन्फ्राकंस्ट्रक्शन ने पावर डोनर के रूप में और कोठारीज ने को-डोनर के रूप में जेसीसीएल और जेसीएसएफ दोनों आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। सभी विजेताओं को पुरस्कार, ट्रॉफी व मेडल दिए गए। समीना ने संचालन किया।

महाभिषेक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अमृतवाणी सत्संग मंडल के परिवार के तत्वावधान में सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में सुबह श्री गणेश वंदना, गुरु वंदना, मां सरस्वती वंदना के बाद सामूहिक अमृतवाणी का पाठ का आयोजन किया गया। पंडित गणपतलालजी शर्मा द्वारा विधि विधान के अनुसार श्री शिवजी का पूजन किया गया। मुख्य यजमान राजेंद्र-चंदा भट्टर और अन्य भक्तों द्वारा महाअभिषेक व रुद्राभिषेक किया। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने दी।

देवी भागवत कथा का आयोजन 22 सितंबर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय माधावरम के शारदीय नवरात्रि सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा दस दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन माधावरम स्थित राजराजेश्वरी कल्याण मंडपम में किया जा रहा है।

22 सितंबर से प्रारंभ यह कथा 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन सायं पांच बजे से आठ बजे तक चलेगी। कथावाचक पंडित आयुष कृष्णनयनजी कथा श्रवण करवाएठगे।

समिति के सदस्य डीके पाण्डेय ने बताया है इस कथा की तैयारियां जोरों पर चल रही है ।

विश्वकर्मा सुथार विकास संस्थान की बैठक में समाज हित में निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री विश्वकर्मा सुथार विकास संस्थान द्वारा साधारण सभा का आयोजन किया गया। सभा में सबसे पहले अध्यक्ष लिखमाराम धामू का स्वागत समाज के द्वारा किया गया। कार्यकारिणी के साथ आने वाले समय में समाज को सगठित, शिक्षा और खेल क्षेत्र में आगे नए निर्णय लिए गए। आगे आने वाले कार्यक्रम दिवाली स्नेह मिलन की रूप रेखा तैयार की गई। जिसमें बच्चों के लिए विशेष उपहार की तैयारी की गई। इस दौरान कोषाध्यक्ष किशोर सुथार ने पूरा लेखा जोखा बताया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष लिखमाराम, उपाध्यक्ष घेवाराम, सचिव भूमेश शर्मा, ओम माकड़, हितेश, प्रताप, अशोक कुशिप, तेगराज, रवि डोयल, नारायण, मुकेश, हरीश और सभी गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

एजी जैन स्कूल के खिलाड़ियों ने दिखाई जोन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के लिए जोन एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें विद्यार्थियों ने कुल 10स्वर्ण, 1 रजत, 4 कांस्य पदक जीते। कक्षा 11 ए के विद्यार्थी सरन ने अपने व्यक्तिगत शानदार प्रदर्शन के बल पर अंडर-17 व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। कबड्डी स्पर्धाओं में भी विद्यालय का प्रदर्शन सराहनीय रहा। अंडर-14 वर्ग की टीम ने फ़ाइनल तक पहुँच कर उपविजेता बनी, जबकि अंडर-19 वर्ग की टीम ने दमदार खेल के दम पर विजेता का ताज पहना। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भी विद्यालय की दोनों टीमों (अंडर -17 एवं अंडर -19) ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया और दोनों वर्गों में उपविजेता का खिताब हासिल किया ।

विद्यालय के कोरेस्पोंडेंट हनुमानबोथरा एवं सचिव दलजीत सिंह ढढा ने खेल शिक्षक सुरेश के उम्दा प्रशिक्षण तथा विद्यालय प्रबंधन के सतत प्रयासों की सराहना की। एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पदमचंद चोरड़िया ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है। विद्यालय की प्राचार्या डॉ जयश्री ने सभी विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी।

शिव पूजा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

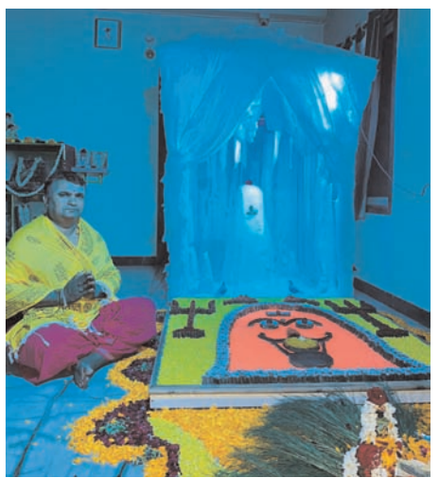

चेन्नई के कोंडीतोप इलाके में सावन के अंतिम सोमवार को भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर भगवान शिव की अमरनाथ की झांकी प्रदर्शित कर रुद्राभिषेक किया गया जिसमें भगवान शिव की विशेष पूजा, श्रृंगार कर आरती की गई। इस विशेष आयोजन में आचार्य राजेश दवे, भाविक दवे, पं जयेश दवे, अनिल दवे, पंडित सुखदेव, पं भवानी शंकर व्यास सहित अनेक पंडितों ने उपस्थित यजमान के साथ पूजा पाठ एवं अनुष्ठान कर लोक कल्याण की मंगल कामना की।

'विघ्नहर ह्रींकार अनुष्ठान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मुनि मोहजीतकुमार के सान्निध्य में पंचम बार 'विघ्नहर ह्रीं कार अनुष्ठान' का आयोजन तेरापंथ युवक परिषद्, किलपॉक के तत्वावधान में हुआ। ह्रीं कार की आकृति में बैठकर 151 जोडों सह सैंकड़ो अनुष्ठानकर्ताओं ने आचार्य सिद्धसेन द्वारा रचित कल्याण मन्दिर स्तोत्र का मुनि जयेशकुमारजी के भावपूर्ण संगान के साथ उच्चारण एवं श्रवण किया।

माहेश्वरी सभा के नए अध्यक्ष गौरीशंकर राठी व उनकी टीम ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय माहेश्वरी सभा की वर्ष 2025-27 की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह वैष्णव कॉलेज में हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष अशोक मूंदड़ा ने सभी का स्वागत किया तथा सभी के सहयोग के लिए उनका धन्यवाद दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी ने सभा के नए अध्यक्ष गौरीशंकर राठी को पद की शपथ दिलाई तथा सम्मान किया।

इस अवसर पर गौरी शंकर राठी के जीवन यात्रा पर विशेष प्रस्तुति दी तथा सबके सहयोग से कार्य करने की बात कही। नई कमेटी में उपाध्यक्ष कमल गोयदानी व हरिकिशन मूंदड़ा, सचिव संजय मूंदडा, सहसचिव जगदीश गोदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलवाई। तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी ने नई टीम को बधाई दी।

श्याम सुंदर सोनी ने कहा कि संगठन में नेतृत्व का निर्विरोध चुना जाना अत्यंत शुभ संकेत होता है। इससे संगठन को एकजुटता एवं दिशा मिलती है।

कार्यक्रम का संचालन अक्षिता मूंदडा ने किया। सचिव संजय मूंदड़ा ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे जिन्होंने नई कमेटी को शुभकामनाएं दी।

युवा शक्ति देश की धड़कन है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट स्थित जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि युवा शक्ति देश की धड़कन, रीड की हड्डी के समान है। अखंड शक्ति का पुंज और देश का उज्ज्वल भविष्य उनके कंधों पर टिका हुआ है। उन्होंने कहा कि जब-जब युवा ने करवट ली है तब तब स्वर्णिम इतिहास का निर्माण हुआ है । देश की आजादी में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि जिनके दिलों में जोश उत्साह और जलती मशाल है वह वृद्ध होकर भी युवा है और जो बुझे दिल है वह युवा होकर भी वृद्ध है युवा को उम्र से नहीं उत्साह से जोड़ना चाहिए। मुनि कमलेशजी ने कहा कि युवाओं का जोश और वृद्धों के अनुभव का होश दोनों का समन्वय हो जाए तो जीवन तीर्थ और वरदान बन सकता है। सही दिशा के अभाव में युवा दिशाहीन होकर अपने आपके लिए और संपूर्ण मानवता के लिए अभिशाप बन सकता है। संतश्री ने कहा कि व्यसन और फैशन दो कीड़े युवा पीढ़ी को खोखला कर रहे हैं। पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण भोग और विलासिता से मुक्त होकर जीवन को सार्थक करें। जैन संत ने कहा कि युवा पीढ़ी कौ अनदेखा करके किसी भी योजना को शिखर तक नहीं पहुंचा जा सकता। देश राजनीति और समाज मैं युवा पीढ़ी को प्रतिनिधित्व प्रदान करना चाहिए।

जैन संघ के चेयरमैन सुरेश लुनावत, अध्यक्ष प्रकाश खिवंसरा तथा सचिव संजय पींचा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

अनुशासन में रहने वाले का आत्मविश्वास हमेशा ऊंचा होता है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी ने सोमवार को प्रवचन में कहा कि जिनवाणी जीवन को बनाती है और आप्तवाणी आपदा को समाप्त करने वाली होती है, इसलिए ज़िंदगी में आपातकालीन स्थिति न आए, इसके लिए आप्तवाणी यानी जिनेंद्र वाणी की आराधना निरंतर करते रहना चाहिए। अगर कर्मों का कर्ज उतारना हो, तो जिनेंद्र वाणी ही उसका उपाय है। उन्होंने यह भी बताया कि हम माता-पिता, पशु-पक्षियों और सभी की सेवा करते हैं, लेकिन क्या कभी

जिनवाणी की सेवा की है? और अगर इस जन्म में यह नहीं कर पाए तो हर भव में यह कर्ज बढ़ता जाएगा। इसलिए जिनवाणी का सहारा लो, फिर किसी अन्य की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। चातुर्मास के दौरान यह जिनेंद्र वाणी ही हमारे जीवन में आती है।

मुनिजी ने परदेशी राजा की कहानी को आगे बढ़ाते हुए कहा कि समकित की ज्योति जल गई है। यह माहौल नगर वालों ने बनाया था, लेकिन उस माहौल की वजह से न जाने कितने लोगों का जीवन बदल गया।

सारथी ने कहा कि आपने जो जिनवाणी बोली, उससे मेरा जीवन धन्य हो गया। समकित यात्रा का मतलब है कि मोक्ष की टिकट कन्फर्म हो गई है। मुनिजी ने अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि हमें हमेशा अनुशासन में रहना सीखना चाहिए। सूर्य को देखो, वह कभी नहीं कहता कि मैं आज नहीं निकलूंगा। शरीर को देखो, उसके हर अंग अपने तय काम में लगे रहते हैं, दिल तय समय पर धड़कता है, सब कुछ अनुशासन में चलता है। जो व्यक्ति अनुशासन में रहता है, उसका कॉन्फिडेंस लेवल हमेशा हाई रहता है। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, महावीर कातरेलाल, रमेश दरड़ा उपस्थित रहे। मंच का संचालन मंत्री विनयचन्द पावेचा ने किया।

जलाभिषेक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिव भक्तों द्वारा दक्षिण चेन्नई पेरुम्बाक्कम क्षेत्र की नूकामपालयम मैन रोड़ स्थित शिव मंदिर से कावड़ यात्रा निकाली गई। तेजाराम पंवार ने बताया कि इस यात्रा में अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कावड़ यात्रा सूर्योदय से पूर्व विधि विधान से पूजा अर्चना कार कावड़ में जल भरकर रवाना हुए कावड़ यात्रा शहर के अन्य मंदिरों में दर्शन करते हुए करीबन 2 किलोमीटर से नूकामपालयम पहाड़ पर स्थित पौराणिक शिव मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ जलाअभिषेक किया।

ईश्वर द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना सबके लिए हितकारी : संत वीरेंद्रमुनि

चेन्नई। शहर के सैदापेट स्थित एसएस जैन संघ स्थानक में विराजित संतश्री वीरेन्द्र मुनिजी ने सुखविपाक सूत्र वाचन करते हुए कहा कि भगवान ने दो प्रकार के आहार सचित आहार और अचित आहार बताए है। अचित आहार यानी कच्चे फल, सड़ा हुआ फल, सब्जी, ज्यादा पका हुआ फल जो हमें नहीं खाना चाहिए। आर्तध्यान एवं रौद्रध्यान के विषय में कहा कि आर्तध्यान करने से कर्मों का बंध होता है। जैसे किसी वस्तु से प्रिय रखना और खो जाने से दुखी होना, शरीर से दुखी होना और रौद्रध्यान से भी कर्म बंध होते हैं। लड़ाई करवाना, करना, गुस्सा करना, झूठ बोलना, गप्पे मारना, निंदा करना इत्यादि से कर्मों का बंध होता है। सहमंत्री दिनेश बोकड़िया ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.